दैनिक
प्रातः कालीन
# क्यूँ न लिखूँ सच
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
मुरादाबाद से प्रकाशित
RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 02 अंक :- 316 मुरादाबाद, 18 March 2023 (Saturday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## बरेली में 30000 से अधिक घरों में बिजली आपूर्ति ठप, शाहजहांपुर में भी हड़ताल का असर

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति में शामिल विद्युत निगम के अभियंताओं और कर्मचारियों की हड़ताल का असर दिखने लगा है। बरेली और शाहजहांपुर जिले में शुक्रवार को हजारों घरों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बरेली में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर शुरू हुई हड़ताल के चलते बिजली व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। जिले के बल्लिया, भमौरा, फतेहगंज पूर्वी, पढेरा और मड़ीनाथ सबस्टेशन ब्रेकडाउन में चले गए। इसके चलते शुक्रवार को 30,000 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बंद हो गई है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के आंदोलन की वजह से राजस्व वसूली भी प्रभावित हुई है। बरेली जोन में आने वाले 20 डिवीजन में अधिकतर जगह बिजली बिल जमा करने वाले काउंटर बंद हो गए हैं। इसके चलते

सिर्फ एक दिन में तीन करोड़ रुपए से अधिक की वसूली नहीं हो सकी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से चीफ इंजीनियर कार्यालय के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया जा रहा है। इस प्रदर्शन में ढाई सौ से अधिक अभियंता और कर्मचारी शामिल हैं। अधिकतर दफ्तर खाली पड़े हैं। सब स्टेशनों पर आईटीआई प्रशिक्षित ड्यूटी कर रहे हैं। इस वजह से बिजली आपूर्ति प्रभावित है।

### शाहजहांपुर में भी हड़ताल से विद्युत आपूर्ति ठप

शाहजहांपुर में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति में शामिल विद्युत निगम के अभियंताओं और कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर दूसरे दिन भी कार्य बहिष्कार जारी रखा । इस दौरान शहर में तेज हवा और बूंदाबांदी से कई लाइनों में ट्रिपिंग की समस्या पैदा हो गई। उधर मीरानपुर कटरा,कांट और चौहनापुर उपकेंद्र की 33 केवी हाईटेंशन लाइनों में सुबह दस बजे से खराबी आने के कारण नगरीय क्षेत्रों समेत तमाम गांवों की बिजली आपूर्ति पांच घंटे से ठप है। हड़ताली अभियंताओं के अनुसार संविदा बिजली कर्मचारी इन लाइनों में सुधार के लिए सक्षम नहीं हैं। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने विद्युत उपकेंद्रों का जायजा लेकर व्यवस्था का जायजा लिया।

## योगी का नमन, बोले- उन्होंने आजादी की लड़ाई बढ़कर हिस्सा लिया

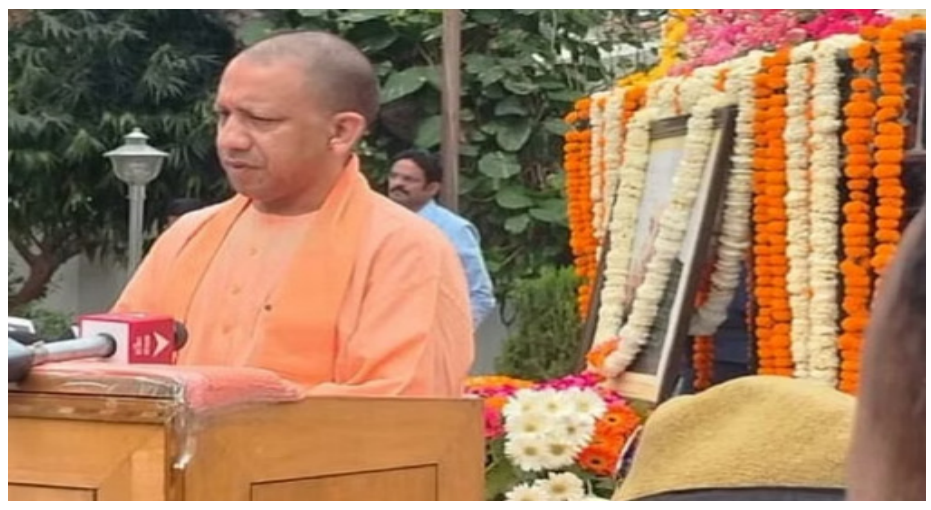

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर उन्हें प्रदेश सरकार और प्रदेश वासियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस ने इस देश में लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश की तब हेमवती नंदन बहुगुणा को मतभेद के चलते मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देना पड़ा था, इसके बावजूद बहुगुणा जी ने कभी भी अपने मूल्यों और आदर्शों को नहीं छोड़ा।

सीएम योगी ने कहा कि स्वर्गीय बहुगुणा का जन्म आज के उत्तराखंड के पौड़ी जनपद में हुआ था। बचपन की शिक्षा गांव में प्राप्त करने के उपरांत आगे की पढ़ाई के लिए वे प्रयागराज आए। उच्च शिक्षा के दौरान ही देश की आजादी के आंदोलन से जुड़ गये।

भारत छोड़ो आंदोलन और अन्य आंदोलनों में उन्होंने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। स्वतंत्र भारत में अनेक सामाजिक, राजनीतिक गतिविधियों के साथ जुड़ते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने अपना योग्य और तेजस्वी नेतृत्व दिया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य, वित्तमंत्री सुरेश खन्ना और मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र मौजूद रहे।

## स्मृति ईरानी बोलीं- राहुल गांधी को देश की नहीं, अपनी राजनीतिक विरासत की चिंता

स्मृति ईरानी ने कहा कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव को अगर एक तरफ रख दें तो कांग्रेस को हाल के उत्तर पूर्व के चुनाव नतीजों से समझ जाना चाहिए कि देश का राजनीतिक मूड क्या है। राहुल गांधी के विदेश में दिए बयान पर जारी हंगामे के बीच केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की ब्रिटेन में की गई टिप्पणी इसलिए नहीं थी कि उन्हें देश की चिंता है बल्कि उन्हें अपनी राजनीतिक विरासत की चिंता सता रही है। एक मीडिया कार्यक्रम में स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी और कांग्रेस को जमकर निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी को हाल ही में उत्तर पूर्व के चुनाव नतीजे देखने चाहिए और समझना चाहिए कि देश का राजनीतिक मूड क्या है।

### कांग्रेस को देश का राजनीतिक मूड भांपना चाहिए

स्मृति ईरानी ने कहा कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव को अगर एक तरफ रख दें तो कांग्रेस को हाल के उत्तर पूर्व के चुनाव नतीजों से समझ जाना चाहिए कि देश का राजनीतिक मूड क्या है। उत्तर पूर्व राज्यों के चुनाव में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया है और कांग्रेस को इसे समझना चाहिए। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि देश में लोकतंत्र खतरे में है लेकिन असल में भारत में लोकतंत्र नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी खतरे में है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बयान इसलिए नहीं दिया क्योंकि उन्हें देश की चिंता है बल्कि उन्हें अपनी राजनीतिक विरासत की चिंता है। कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने ही जम्मू में कहा था कि देश में सबकुछ ठीक है।

### राहुल गांधी के बयान पर जारी है हंगामा

बता दें कि राहुल गांधी ने हाल ही में ब्रिटेन दौरे पर अपने बयान में कहा था कि भारत में लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब संसद में विपक्ष के नेता महत्वपूर्ण मुद्दों पर बोलते हैं तो माइक बंद कर दिए जाते हैं। राहुल गांधी के इस बयान को लेकर देश में खूब हंगामा जारी है। भाजपा राहुल गांधी से उनके बयान के लिए माफी की मांग पर अड़ी है। वहीं विपक्ष अदाणी मामले पर संयुक्त संसदीय समिति का गठन करने की मांग कर रहा है। इस मुद्दे पर संसद की कार्यवाही भी संचालित नहीं हो पा रही है।

# इरफान बोले- परिवार को परेशान न करो, मैं इस्तीफा देने को तैयार, कोर्ट में बेतहाशा रोई पत्नी

एमपीएमएलए सेशन कोर्ट सपा विधायक इरफान सोलंकी की पेशी शुरू हो गई। कोर्ट में एफआईआर लेखक के बयान दर्ज हुए हैं। वहीं,कोर्ट से लौटते समय विधायक का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा कि परिवार को परेशान मत करो। सरकार मेरा इस्तीफा चाहती हैं, तो मैं देने को तैयार हूं। कानपुर के जाजमऊ आगजनी मामले में एमपीएमएलए सेशन कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी की अदालत में शुक्रवार को सपा विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान समेत पांच लोगों के खिलाफ सुनवाई शुरू हो हुई। इसके बाद उन्हें वापस भेज दिया गया। इरफान को महाराजगंज जेल से लगभग 12:30 बजे कड़ी सुरक्षा में कानपुर लाया गया। वहीं, रिजवान, मोहम्मद शरीफ, शौकत अली व इसराइल आटे वाला को कानपुर जेल से कोर्ट लाया गया। अभियोजन की ओर से एफआईआर दर्ज करने वाले एफआईआर लेखक संजीव कुमार को कोर्ट में गवाह के रूप में पेश किया गया। कोर्ट में गवाही के बाद बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं सईद नकवी, करीम अहमद सिद्दीकी, मोहम्मद तौहीद, रविंद्र वर्मा ने जिरह भी की। अधिवक्ता प्राची श्रीवास्तव ने बताया कि मुकदमे की वादिनी नजीर फातिमा की भी गवाही होनी थी, लेकिन वह तबीयत ठीक न होने के कारण कोर्ट नहीं आ सकी।

### अगली तारीख की मांग की गई

उसकी ओर से कोर्ट में एक प्रार्थना पत्र देकर अगली तारीख की मांग की गई है। कोर्ट ने 20 मार्च की तारीख नियत की है। वही फर्जी आधार कार्ड से हवाई यात्रा करने के मामले में एमपी एमएलए लोअर कोर्ट में आज भी आरोप तय नहीं हो सके। दोपहर लगभग 3:30 इरफान को कड़ी सुरक्षा में वापस महाराजगंज ले जाया गया।

### परिवार को परेशान मत करो, इस्तीफा चाहते हो तो मैं देने को तैयार

पेशी से लौटते वक्त परिवार से मिलने न देने पर इरफान का गुस्सा पुलिस पर फूट पड़ा। मीडिया के सामने इरफान ने अपना दर्द बयान करते हुए कहा कि मेरे परिवार को परेशान करना बंद कर दो.. जब मिलने नहीं देना, तो बुलाते क्यों हो। सरकार को

अगर मेरा इस्तीफा चाहिए, तो मैं देने को तैयार हूं...लेकिन परिवार को परेशान करना बंद कर दो।

### कोर्ट के बाहर फूट फूट कर रोई इरफान की पत्नी

इरफान को महाराजगंज जेल में बंद किया गया है। वहां जाओ तो काफी दूर से मिलने दिया जाता है। कोर्ट में आओ, तो मुलाकात नहीं करने दी जाती।

एक एक हफ्ते में अदालत में पेशी हो रही है। बच्चों के बोर्ड के एग्जाम हैं। हम बच्चों को एग्जाम दिलवाएं या अपने पति से मिलने महाराजगंज और कोर्ट आएं। इरफान की पत्नी ने रो-रो कर सरकार से माफी की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि हम थक चुके हैं, हम टूट चुके हैं सरकार को हमारे आंसू दिखाई नहीं दे रहे हैं अब हमें माफ कर दिया जाए।

## रामसहाय प्रसाद यादव बने नेपाल के तीसरे उपराष्ट्रपति, चुनाव आयोग ने की घोषणा

काठमांडू, एएनआई। मधेसी नेता रामसहाय प्रसाद यादव नेपाल के नए उपराष्ट्रपति चुने गए। नेपाल के चुनाव आयोग ने इसकी घोषणा की। बता दें कि रामसहाय प्रसाद यादव को लेकर पहले से ही उपराष्ट्रपति बनने की संभावना थी। जानकारी के अनुसार, नेपाल में उपराष्ट्रपति पद के लिए जनता समाज पार्टी से रामसहाय प्रसाद यादव, सीपीएन-यूएमएल से अष्ट लक्ष्मी शाक्य, जनमत पार्टी से प्रमिला यादव और ममता झा रेस में शामिल थीं।इससे पहले, उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पर आम

राय बनाने के लिए बुधवार को काठमांडू में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के आधिकारिक आवास पर हुई राजनीतिक दलों की बैठक बेनतीजा रही थी।

### रामसहाय यादव बने नेपाल के तीसरे उपराष्ट्रपति

इधर, रामसहाय यादव को नेपाली कांग्रेस की तीन प्रमुख पार्टियों, सीपीएन-माओवादी सेंटर और सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट सहित सात दलों का समर्थन प्राप्त था, जिससे उनका उपराष्ट्रपति बनना लगभग तय हो गया था। मालूम हो कि नेपाल के दक्षिणी तराई क्षेत्र में मधेसी समुदाय ज्यादातर भारतीय मूल के हैं।

### रामसहाय को मिला कई दलों का समर्थन

बता दें कि चुनावों के बीच, प्रमिला यादव ने अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की थी और रामसहाय यादव का समर्थन किया था। हालांकि, उनकी घोषणा के बावजूद, रविवार को चुनाव आयोग द्वारा उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी करने से पहले उनकी उम्मीदवारी को आधिकारिक रूप से वापस नहीं लिया गया था।

### नेपाल में कैसे होता है उपराष्ट्रपति का चुनाव?

बता दें कि नेपाल में राष्ट्रपति की तरह, उपराष्ट्रपति का चुनाव भी एक भारित मतदान प्रणाली के आधार पर होता है, जिसमें एक निर्वाचक मंडल होता है, जिसमें संघीय संसद (प्रतिनिधि सभा और नेशनल असेंबली) और प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्य शामिल होते हैं नेपाल में संघीय संसद के 332 मतदाताओं और प्रांतीय विधानसभाओं के 550 मतदाताओं के मतों का कुल भारांक 52,628 होता है। इस प्रकार एक उम्मीदवार को चुनाव जीतने के लिए कम से कम 26,315 मत प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। नेपाल में 2008 में संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य प्रणाली को अपनाने के बाद से यह तीसरा उपराष्ट्रपति चुनाव था। उपराष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है।

## संपादकीय Editorial

# Meaning of deadlock

The deadlock in Parliament continues. While the ruling party is adamant on the pardon of Congress MP Rahul Gandhi, the Congress-led opposition camp is determined to probe the Adani cases and form a JPC. Around 200 opposition MPs had chalked out a strategy to march to the headquarters of the Enforcement Directorate (ED) and submit a memorandum to the director, but the police stopped the opposition crowd outside Parliament at Vijay Chowk itself. Similarly, the opposition is also planning to take out a march to the CBI director's office and 'Rashtrapati Bhavan'. The question of most important and constitutional importance is when and how will the deadlock in Parliament be broken? Will the Finance Bill, that is, the Budget, also be passed by voice vote amidst noise and uproar? What will happen to the amendments proposed on the budget or the debate that is mandatory? If there is no debate on the budget, then what is the justification of the Parliament? Will the demands for grants of some states be accepted without considering them? The memorandum sent by 16 opposition parties to the ED through internet mail contains serious allegations against the Adani group, but they are nothing but repetition and old allegations. But the main opposition party Congress did not disclose in which projects Adani and Ambani are going to invest about Rs 1.75 lakh crore in Rajasthan government projects.

These signals have been received through Right to Information. Already, the Rajasthan government of Congress has given a contract worth about Rs 65,000 crore to the Adani group. Hundreds of acres of land have been provided to him. The Chhattisgarh government, which belongs to the Congress, has given a contract worth Rs 11,000 crore to the Adani group. There is a Leftist government in Kerala. Leftists are also included in the opposition crowd. Questions should also be asked to him and the Congress that if the Adani group has committed crimes of forgery, money laundering and is a 'maha ghotalebaaz', then why huge contracts have been given to Adani? These questions can also be asked from many other states, where the Congress has been in power or is still in power. Although the debate and politics will continue, as the target is Prime Minister Modi, there are also signs that there are clear cracks in opposition unity even today, with the general elections in 2024 just a year away. The opposition's anti-Adani memorandum is not signed by any MP or leader-officer of Sharad Pawar's NCP. Moreover, the Trinamool Congress is aloof from all the anti-Modi campaigns of the opposition. Thirteen political parties with a strength of 142 MPs in both houses of Parliament are more or less out of the campaign for opposition unity. This is a huge political signal. Apart from Trinamool, the ruling YSR Congress in Andhra Pradesh, the ruling BJD in Odisha, the Telugu Desam Party, the BSP and the AIADMK are notable parties that disagree on opposition unity under the Congress umbrella.

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

# Samaj: Artists and environmental concerns save tradition with baskets

The community of traditional basket makers in Sardhana village not only preserves the traditional craft, but also contributes to reducing pollution. The people of rural India, especially the nomadic communities, have been living the traditions as their way of life and livelihood since time immemorial. But sadly they are often ignored. And this is when, in the name of handicrafts, fairs, exhibitions and different types of markets are held all over the country. His business is completely plastic free. Abad Sardhana village on the outskirts of Ajmer, a major tourist destination in Rajasthan, is home to a nomadic community of traditional basket makers who live in mud and makeshift houses and call themselves jogis. The men of this community usually split the bamboo into fine strips, using which the women weave baskets on the ground and sell. In this township of Sardhana with seven families, 20-year-old Indira Jogi has been making and selling baskets for the past four years. He told that our forefathers have been doing this work for about 400-500 years. We make baskets and sell them on the roadside. But over the years, the sale of baskets has become non-existent, as local shopkeepers instead of buying baskets from Assam, where the cost of baskets is lower due to the availability of bamboo. The basket-making community in Sardhana will not make a profit by selling a basket for less than thirty rupees. Indira's mother-in-law, Mungo Jogi, says that even if we sell a small basket for ten rupees, the cost is not even covered. The whole family together can make about four to five baskets in a day. The cost of the material and bamboo used in this is about two hundred rupees. Indira's husband Mukesh told that many times they get orders to build hut-like structures inside hotels. Apart from this, the men of this community also do labor and other work, but the women only make baskets. A decade or two ago, baskets made by this community were used to feed cattle. But now with the advent of cheap and good quality plastic baskets, people do not buy bamboo baskets. This has caused a huge loss to their business. Mungo Jogi says what else can we do? This is the only work our forefathers have taught us. We have to follow them. Doesn't even give us any other work. We have never been able to go to school, nor do we have any other work or farming to do. Right next to Mungo's house lives 30-year-old Jamna, whose 12-year-old daughter Ekum is a Class 5 student in a nearby government school. Ekum has not yet started making baskets, but Jamna believes that she too will learn the craft. At present, Ekum and his younger siblings and other children work as rag-pickers. They earn decently during Navratri, when they make effigies of Ravana and sell them in the city. Jamna Jogi said that there is still a demand for these baskets in weddings. These baskets are used for sending goods and clothes etc. on the occasion of marriage. Making a bamboo basket is not easy. The bamboo stand is dipped in water before it is wrapped around the basket frame, then the weaving begins. It is cut into thin strips with a knife to join the wide edges of the frame. Sometimes the bamboo splinters get pricked in the fingers, which causes a lot of pain. Now the demand for plastic baskets for feeding cattle has become high as they are strong and cheap. Despite this, the women of the Sardhana community make baskets, as they not only protect the family craft and art, but also save the country from pollution. In such a situation, neglect of bamboo baskets will be considered as neglect of handicrafts free from plastic pollution.

## Parliament's deadlock, non-passage of proposed bills like blocking the nation's path

Four days have passed since the commencement of the second phase of the budget session of Parliament, but nothing has happened except ruckus and sloganeering in both the Houses. While the ruling party is pressing ahead with its demand in Parliament that Rahul Gandhi apologize for what he said about Indian democracy during his visit to London, the Congress and other opposition parties are demanding a joint parliamentary probe into the Adani case. They are adamant on getting it done by the committee ie JPC and are not allowing the Parliament to function. It is clear that if both the parties stick to their respective stand then it would be difficult for the Parliament to function. If this happens then it will be very unfortunate. Such a situation may also arise that the budget has to be passed without debate. This will not be good, but the Parliament can run only when both the parties leave their obstinacy. At the moment it is not looking promising because it is certain that Rahul Gandhi is not going to apologize for his statement given in London. On one hand, where Mallikarjun Kharge has made it clear that Rahul Gandhi is not going to apologise, on the other hand, other Congress leaders are trying to prove that their leader did not say anything in London as is being told. . Just as it is unlikely that Rahul Gandhi will apologise, it is also unlikely that the Modi government will agree to the opposition's demand for setting up a Joint Parliamentary Committee to probe the Adani case. One reason for this is that the Supreme Court has already announced the formation of a six-member committee and secondly, the Joint Parliamentary Committees constituted so far in financial matters have either covered up in the name of investigation or partisan politics.

# Surat-e-Hal: Imran proved to be a disaster for Pakistan, Lahore turned into a battlefield

The recent accord between Saudi Arabia and Iran has been widely welcomed. But the world's eyes are on Pakistan, where Lahore seems to be turning into a war zone as clashes between supporters of former prime minister Imran Khan and police escalate. In the American newspaper New York Times, I saw an article titled We must give up hope of finding a solution to the US-Mexico border crisis, and I suddenly thought, what if instead of the US and Mexico, India and Pakistan To be kept Should we also accept this 'no war' scenario between the two countries as the new norm and not work towards resolving the crisis that we have been facing for decades? Well, I will write on this topic some other time, but everyone in Pakistan (general public, who keep an eye on Indo-Pak relations and people in the government too) is wondering why the Modi government is the worst ever this year. Ignoring the bigger political news, which pertains to the recent agreements between Saudi Arabia and Iran to resume diplomatic relations. This is also significant because India has very good bilateral relations with both Saudi Arabia and Iran. I saw some editorials published in the Indian media on this subject, but surprisingly there were no comments related to reception or condemnation by New Delhi. Pakistan has welcomed the deal brokered by China, as ongoing tensions between Saudi Arabia and Iran have been reflected in the conflict between Sunnis and Shiites on Pakistani soil, with the two countries supporting different factions and a third country. fought on the soil of The Shia community is facing great difficulties as they are attacked by extremists and even jihadists, especially the Hajarzat community in Balochistan, where mass killings have taken place. Peace and improved bilateral relations between Saudi Arabia and Iran will immediately have an impact on Pakistan, where attacks by Pakistani groups against each other are expected to stop. But Amar Ujala readers will be more interested in the developments in Pakistan since the last two days, where the posh and posh locality of the neighboring country's provincial capital Lahore seems to be in a war-like atmosphere, with some very ugly scenes emerging. . Meanwhile, the rest of Lahore is as calm and normal as ever, with even a Pakistan Super League cricket match drawing large crowds in some other part of Lahore. Tehreek-e-Insaf party leader Imran Khan in Lahore's Zaman Park area The house, which he inherited from his father decades ago along with his siblings. It was a very typical house of an upper middle class Punjabi family. But when Imran Khan became the Prime Minister of the country, his third wife Begum Bushra got the house renovated so much inside and out that no one could imagine that it is the same old modest bungalow. Now its design is more luxurious and the interior rooms look like royal palaces. Undoubtedly a large sum of money has been spent on them. These days this area has become a war zone because Imran Khan has refused to bow down before the law. He has been summoned by the Supreme Court of Pakistan, Islamabad High Court and Lahore High Court, but he makes excuses and does not attend the court proceedings. Eventually the courts had to send the Islamabad Police with arrest warrants, but Imran Khan were fully prepared. He and other PTI leaders made a call on social media and within no time thousands of supporters armed with sticks, lathis, slingshots and stones gathered outside Imran Khan's house to prevent the police from arresting him. The way I saw these supporters fighting with the police and rangers, it was clear that these were not ordinary supporters, but people who were well trained in guerrilla warfare. They were masked and fired tear gas shells at the police. They had petrol bombs and destroyed government and private vehicles. They even hurled petrol bombs at the vehicles in which the police and rangers were sitting, forcing them to run for their safety. Thankfully there was no firing in the air to disperse the mob. In fact the full might of the state police machinery was not being used. It is now learned that the police of Gilgit-Baltistan came to Lahore illegally to fight against the government along with the supporters of Imran Khan. The Gilgit-Baltistan police chief has been transferred and now only an inquiry will reveal whether such a dangerous step was taken or not and if so why. But the most important question no one is asking is why Imran Khan is using his supporters as human shields while he himself is in hiding and not facing the courts like other leaders. The answer lies in the failed experiment of former army chief General Bajwa, in which he rigged the last general election and formed a coalition government with Imran Khan at the centre. Imran Khan proved to be a disaster for Pakistan, as he escalated tensions with important countries of the world and was unable to govern Pakistan. They After accepting the terms of the loan, he reneged on his promise and spoiled relations with the IMF as well. This is the reason why there is a lack of trust between the IMF and the new government. The question is whether the army will learn from its mistakes and stay away from politics as promised. As political analyst Abbas Nasser puts it, 'If everyone accepts that we are headed for anarchy and that the status quo cannot be sustained, then we must accept all the constraints that befall us. If the Army is reminded that it is no different from the rest of us, it can shed this attitude and root out the rot within itself.

# विद्यार्थी अपने जीवन में महान बनने के किसी अवसर से न चूकें, सदैव उसके लिए करें प्रयत्न-मुख्यमंत्री

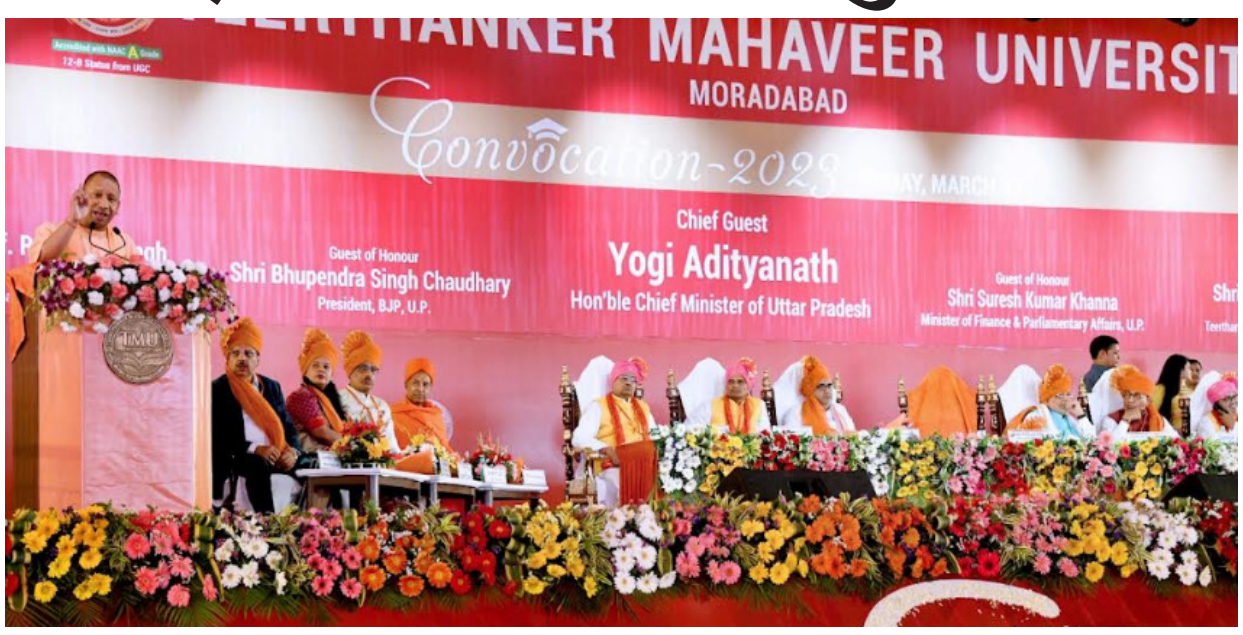


दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

मुरादाबाद - आज तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षान्त समारोह में मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। कार्यक्रम के प्रारम्भ में शैक्षिक शोभायात्रा के द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी मंच पर आसीन हुए। उसके उपरान्त दीप प्रज्जवलित कर मा0 मुख्यमंत्री जी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र चैधरी एवं मंच पर आसीन अन्य अतिथिगणों द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय मुरादाबाद में आयोजित दीक्षान्त समारोह में पीएचडी, मास्टर्स, बैचलर, डिप्लोमा की मेधावी 5988 छात्र/छात्राओं को डिग्रियां वितरित की गयीं। मा0 मुख्यमंत्री जी ने दीक्षान्त समारोह में छात्र/छात्राओं से कहा कि जीवन में महान बनने के किसी अवसर से चूकना नही है, सदैव उसके लिए प्रयत्न करते रहना है तथा आगें बढ़ने के लिए जो कुछ भी हो उस दिशा में अपने इस प्रयास के लिए निरन्तरता देने के लिए आगे बढ़ना है और आपको जिस नये मार्ग को चुनना है यह दीक्षान्त समारोह उसको एक नवीनता प्रदान करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया में एक नई ताकत बन रहा है और इसका साक्ष्य कोरोना काल में प्रतीत भी हो गया। उन्होंने कहा कि 220 करोड लोगों को मुफ्त में वैक्सीन देने वाला भारत पहला देश है और भारत विपरीत परिस्थितियो में भी पिछले 3 वर्षो में देश के 80 करोड लोगों को नि:शुल्क खाद्यान्न उपलब्ध करा रहा है। प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र में तकनीक का उपयोग करते हुए किसानों के लिए विभिन्न प्रकार की सहूलियतें विकसित की हैं। मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रुप में आज भारत विश्व पटल पर नजर आ रहा है तथा हर भारतवासी का कर्तव्य है कि हमारा देश विकसित देश बनें। उन्होंने कहा कि मौलिक कर्तव्य नागरिकों के लिए उतने ही जरुरी हैं जितने कि मौलिक अधिकार हैं। उन्होंने कहा कि आज हमको अपने विश्वविद्यालयों को एक उत्कृष्ट केन्द्र के रुप में विकसित करना है। उत्तर प्रदेश के हर जनपद में एक एक्सपोर्ट प्रमोशन के सेन्टर विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश के हर जिले के परम्परागत प्रोडक्ट को नई डिजाइन एवं नई तकनीक के साथ विकसित किया जा रहा है और मुरादाबाद एक्सपोर्ट का एक सेन्टर बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक परिस्थितियों, आर्थिक परिस्थितियों तथा भौगोलिक परिस्थतियों पर लेखन की आदत डालनी चाहिए तथा स्थानीय परिस्थितियों पर कार्य करने के लिए उनको प्रेरित किया जाये। शोध के उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाये। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने मुरादाबाद मण्डल के एक विश्वविद्यालय की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्दर 19 राज्य विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, एक ओपन यूनिवर्सिटी भी प्रदेश में कार्य कर रही है, 30 निजी क्षेत्र के विश्वविद्यालय कार्य कर रहे हैं, 172 राजकीय महाविद्यालय कार्य कर रहे हैं, 331 सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय और 7372 स्वावित्त पोषित महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश सुरक्षा एवं निवेश का दुनिया का सबसे बेहतरीन गन्तव्य बन रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार मजबूत कानून-व्यवस्था के साथ विकास को निरन्तर गति प्रदान कर रही है। माफियाओं पर सख्त कार्यवाही करते हुए उनकी अवैध सम्पत्तियों की जब्तीकरण की कार्यवाही की गई है। इससे प्रदेश में गरीब और व्यापारी अपने आपको सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। महिला पुलिस को मिशन शक्ति से जोड़कर सभी थानों व तहसीलों में महिला शिकायत बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां महिलाओं की समस्याओं का संवेदना के साथ समाधान महिला पुलिसकर्मी कर रही हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज हर गरीब अपने गांव में अथवा देश के किसी कोने में राशन प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम के उपरान्त मा0 मंख्यमंत्री जी ने जनपद सम्भल में कोल्डस्टोर हादसे में घायलों का भी टीएमयू हास्पिटल में हालचाल जानते हुए अस्पताल प्रबन्धन को बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भाजपा श्री भूपेन्द्र सिंह चैधरी, वित्त मंत्री एवं संसदीय कार्य विभाग उ0प्र0 श्री सुरेश कुमार खन्ना, टीएमयू कुलाधिपति श्री सुरेश जैन, उप कुलाधिपति श्री मनीष जैन, जिला पंचायत अध्यक्षा डा0 शैफाली सिंह, बलदेव सिंह औलख, विधायक नगर श्री रितेश गुप्ता, श्री गोपाल अंजान, सहित जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित यादव, वीसीएमडीए श्री शैलेश कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं पुलिस अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि, छात्र/छात्राएं उपस्थित थे।

## संभल कोल्ड स्टोरेज हादसे के घायलों और उनके परिजनों से मिले मुख्यमंत्री, बंधाया ढांढस...दिलाया हर संभव मदद का भरोसा

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

मुरादाबाद - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल के चंदौसी में कोल्ड स्टोरेज हादसे के घायलों और उनके परिजनों से मिलकर मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50,000 रुपये की आर्थिक सहायता सरकार की ओर से देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने तीर्थंकर मेडिकल कॉलेज में घायलों से मिलकर बेहतर इलाज और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। कहा कि शासन स्तर से मंडलायुक्त के नेतृत्व में एक कमेटी गठित कर दी गई है ,वह हादसे की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट देगी। इसके आधार पर जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि थे। दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद उन्होंने टीएमयू मेडिकल कॉलेज में भर्ती संभल हादसे के घायलों और उनके परिजनों से मिलकर उनका हाल चाल जाना। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हादसे में 11 लोगों की दुखद मौत हुई है। जो गंभीर घायल हैं , उनके बेहतर इलाज का प्रबंध सरकार कर रही है। एक गंभीर घायल को मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। उन्होंने कहा कि अभी घटनास्थल पर रेस्क्यू चल रहा है। घायलों के परिजनों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ है। हर संभव मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना सहित अन्य लोग मौजूद थे। वहीं मुख्यमंत्री ने टीएमयू के दीक्षांत समारोह में 5988 मेधावियों को मेडल पहनाकर और उपाधियां देकर सम्मानित किया। उन्होंने कोरोना त्रासदी का जिक्र कर कहा कि 220 करोड़ लोगों को मुफ्त वैक्सीन देना पूरी दुनिया में सबसे बड़ी उपलब्धि भारत ने हासिल किया।

इससे आर्थिक संकट से निपटने के प्रधानमंत्री के संकल्प शक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराना अपने आप में बड़ा काम है। आजादी के अमृत महोत्सव में पंच प्रण की चर्चा कर मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुसार शताब्दी समारोह के दौरान भारत को महा ताकत के रूप में उभारने के लिए कार्य करना है। गुलामी का सभी निशान मिटाकर देश की गौरवशाली विरासत का सम्मान करने के लिए काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने हर घर तिरंगा, अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर, काशीधाम, बाबा केदारनाथ धाम का भव्य निर्माण के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि मौलिक अधिकारों के साथ नागरिकों के मौलिक कर्तव्य भी महत्वपूर्ण है। क्योंकि कर्तव्य हमें उत्श्रृंखल नहीं होने देगा। भारत 2047 में दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनेगा, इसका केंद्र विश्वविद्यालयों को ही बनना होगा।

# हड़ताल से सात मोहल्लों में बिजली का संकट, 40 हजार की आबादी ने झेली परेशानी

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

मुरादाबाद - मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार के बाद बिजली कर्मियों की हड़ताल से शुक्रवार को उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ी। कई उपकेंद्रों से जुड़े मोहल्लों में बिजली का संकट पूरे दिन बना रहा। करीब 40 हजार की आबादी इससे प्रभावित हुई। शिकायतों के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो सका। वहीं, हड़ताल के बीच कर्मचारियों ने अपनी मांग पूरी करने की आवाज उठाई। बिजली घरों में ताला लगाकर कर्मचारी हड़ताल पर रहे। पुरानी पेंशन बहाली, प्रोन्नति, कैशलेस इलाज की सुविधा, संविदा कर्मचारियों को नियमित किए जाने, बिजली कर्मचारियों व पेंशनरों को पूर्व की भांति रियायती बिजली दिए जाने, उत्तर प्रदेश विद्युत परिषद का पुनर्गठन समेत 14 सूत्री मांगों के लिए कर्मचारियों ने हड़ताल की है। गुरुवार की रात दस बजे से शुरु हुई हड़ताल के 24 घंटे से अधिक का समय बीतने से कई मोहल्ले में पावर कट होने पर लोग उसे ठीक कराने के लिए परेशान हुए। शुक्रवार को बिजली कर्मियों ने सभी शहर से लेकर ग्रामीण इलाके

के सभी बिजली घरों में ताला डालकर सभी कार्य ठप कर दिया। सभी कर्मचारी, अधिकारी हड़ताल कर मांगों को पूरा किए जाने पर अड़े हैं। तहसील स्कूल बिजली घर से जुड़े मोहल्ले तंबाकू, कोहना, मुगलपुरा, चौकी हसन, मछली बाजार और टाउन हाल के मंडी चौक, ठठेरा मोहल्ले में बिजली गुल रही। समस्या सुबह 11 बजे से देर शाम तक बनी रही। इससे 30- 40 हजार की आबादी प्रभावित हुई है। हालांकि, विभागीय अफसर बिजली की समस्या होने से इंकार कर रहे हैं। अधीक्षण अभियंता नगरीय संजय गुप्ता का कहना है कि कर्मचारियों के हड़ताल पर होने की वजह से तहसील और टाउन हाल बिजली घरों में बिजली की समस्या रही है। संविदा कर्मियों से इसे सही कराया जा रहा है।

### जवाब दे गए इनवर्टर, पानी को भी तरसे लोग

तहसील स्कूल और टाउन हाल मोहल्लों में बिजली गुल रहने के बाद लोग इनवर्टर के सहारे हो गए, लेकिन इनवर्टर भी लंबे समय तक नहीं चल गए। उनका बैकअप भी जवाब दे गया। इनवर्टर के जवाब देने से लोगों को गर्मी में काफी दिक्कतें हुईं। यही नहीं, पानी को लेकर भी किल्लत हुई। लोग ताजे पानी को लेकर काफी परेशान रहे। टंकी में भरे पानी से ही किसी तरह से काम चलाया।

### कार्रवाई की चेतावनी को लेकर चर्चाएं तेज

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के कर्मचारियों ने कहा कि उनकी मांगें जल्द से जल्द पूरी की जाएं। सरकार को उनके हित में सोचना चाहिए। लिखित समझौते के बाद भी सरकार अपने वादे से मुकर रही है।

वहीं, उर्जा मंत्री की ओर से हड़ताल में शामिल लोगों को बर्खास्त और एस्मा के तहत कार्रवाई की चेतावनी को लेकर भी हड़ताली कर्मचारियों के बीच इसकी चर्चा होती रही। सभा में एसडीओ सुशील कुमार, विक्रम सिंह, अजय कुमार यादव,उमेश कुमार, सदर कुमार, शिव ओम शर्मा, संजीव कुमार, पंकज सिंह, सतेन्द्र कुमार मौर्य, अवर अभियंता संजीव यादव, राकेश कुमार, यश कुमार ,अनिरूद्ध दूबे, अजीम, शौसिंह, जितेन्द्र सिंह, शाशिकान्त, अमित कुमार,अनूप ठाकूर,आलोक कुमार, मोहित आदि अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। 72 घंटे की हड़ताल चल रही है। अधिकारी अपना काम कर रहे हैं। आंशिक रूप से हड़ताल पर रहने वाले कर्मचारियों ने भी काम किया है। व्ययवस्था को सुचारू रखने का प्रयास है।- एनके मिश्र, मुख्य अभियंता विद्युत

## एसएसपी की चौखट पर पहुंचा शूकर खरीद का मामला, रुपये दिलाने की लगाई गुहार

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

मुरादाबाद - सरेआम हत्या, लूटपाट व चोरी जैसी जघन्य घटनाओं से दो-चार पुलिस गुरुवार को कुछ देर तक असमंजस की स्थिति में पड़ गई। एक तहरीर के मजमून ने पुलिस अधिकारियों के चेहरे की शिकन बढ़ा दी। शूकर के कारोबार में लाखों की ठगी की तहरीर पर कई बार नजर फेरने के बाद उच्चाधिकारी ने जांच के बाद कानूनी कार्रवाई का आदेश दिया। एसएसपी की चौखट तक पहुंचा शूकर की खरीद फरोख्त का विवाद शहर की सुर्खियों में है। बिलारी थाना क्षेत्र में मोहम्मदपुर सादिकपुर गांव के रहने वाले महेश कुमार ने एसएसपी को तहरीर दी। जाति का उल्लेख करते बताया कि वह शूकरों का व्यापार करते हैं। इटावा के रहने वाले एक शूकर कारोबारी से जुलाई 2022 में उन्होंने एक व्यापारिक समझौता किया। तय सौदे के तहत 135 रुपये प्रति किग्रा की दर से 87.10 क्विंटल शूकर की आपूर्ति उन्होंने इटावा के कारोबारी को की। तीन जुलाई को सभी शूकर गाड़ी में भरकर बिलारी से इटावा भेज दिए गए। इसके पूर्व कुल 11 लाख 75 हजार 850 रुपये के एवज में महेश कुमार को महज एक लाख रुपये ही मिला। शेष रकम कुछ दिनों बाद चुकता करने का आश्वासन मिला। कुछ दिनों बाद महेश कुमार ने इटावा के कारोबारी से मोबाइल फोन पर संपर्क साधा। कारोबारी आग बबूला हो गया। गाली गलौज करते हुए आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। महेश को उल्टे पांव वापस लौटना पड़ा। इस बीच महेश को किसी ने सुझाव दिया कि वह पुलिस अधिकारियों से संपर्क करे। रुपये के लेनदेन के विवाद के निस्तारण में उच्चाधिकारी त्वरित कार्रवाई कर रहे हैं।वकील की मदद से तहरीर बनवा कर महेश एसएसपी कार्यालय पहुंच गए। महेश की तहरीर पर पुलिस के उच्चाधिकारियों ने आरोपों की जांच व विधिक कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इन सब के बीच महेश ने बताया कि बीते फरवरी माह में ही उसने अपनी बहन की शादी की। लाखों रुपये कर्ज लेकर उसने शादी में खर्च किया। उधार की रकम हासिल करने की राह में अब पुलिस ही उसकी एक मात्र मददगार है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

# बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित महामंत्री ने ली शपथ

प्रद्युम्न कटियार
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

कानपुर (बिल्हौर)- शुक्रवार को बिल्हौर बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित महामंत्री शिवशरण तिवारी का शपथ ग्रहण समारोह तहसील सभागार में आयोजित हुआ, बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित महामंत्री ने शपथ लेते हुए अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया कि वे उनके सम्मान व अधिकार को लेकर पूरी मजबूती के साथ कार्य करेंगे, सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बार काउंसिल ऑफ उत्तरप्रदेश प्रयागराज के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान सदस्य देवेन्द्र मिश्रा नगरहा, उपाध्यक्ष बार काउंसिल ऑफ उत्तरप्रदेश प्रदीप सिंह, सह अध्यक्ष अनुराग पाण्डेय, विनोद पाण्डेय सदस्य बार कौंसिल, उपजिलाधिकारी बिल्हौर रश्मी लांबा, आदि लोगों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीपार्चन कर किया, कहा कि वादकारियों को न्याय दिलाने के लिए बार व बेंच के बीच बेहतर समन्वय बने रहने की जरूरत है, वादकारियों को न्याय के लिए बार बार न्यायालय का चक्कर न लगाने पड़े, इसके लिए सभी को पूरी तरह से गंभीर रहना होगा, वहीं उपजिलाधिकारी बिल्हौर रश्मी लांबा ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा बार व बेंच में समन्वय बने रहने की जरूरत है, बिल्हौर बार एसोसिएशन के



नवनिर्वाचित महामंत्री शिवशरण तिवारी ने कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है, उसका निर्वहन वे पूरी ईमानदारी के साथ करेंगे, कहा कि वादकारियों को न्याय दिलाने में हम सभी अपनी साथ निर्वहृन करने का भरोसा दिलाया, कार्यक्रम का संचालन अनुराग अवस्थी उर्फ मार्शल ने किया, बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने अधिवक्ताओ की हर सम्भव मदद करने का बघेल, विनय गौतम, रामकिशोर पाल, अजीत सिंह, राजकुमार सिंह भदौरिया, राम सिंह भदौरिया, विजय कटियार, आलोक मिश्रा, श्रवण कुमार गौतम, अमित श्रीवास्तव, महेंद्र पाल



जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ करेंगे, इस मौके पर नवनिर्वाचित कार्यकारणी से प्रवक्ता विशाल सैनी, कनिष्ठ सदस्य धीरेंद्र प्रताप सिंह ने शपथ ग्रहण करने के दौरान दायित्वों का ईमानदारी के आश्वासन दिया वहीं भाजपा कानपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला ने कहा बार और बेंच सामंजस्य बैठाकर काम करेंगे तो बेहतर होगा, इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश पाल, बृजेश कुमार कटियार, सुरेंद्र सिंह सिंह, सोबरन पाल, ग्रीस चंद्र श्री वास्तव, नीरज श्री वास्तव, आशुतोष सैनी, अजय कटियार, मयंक वहीं द लायर्स एसोसिएशन बिल्हौर से अनिल अग्निहोत्री, एवं सहायक पुलिस आयुक्त, समेत आदि लोग मौजूद रहे।

# निपुण महोत्सव हमारी वैदिक कालीन प्राचीन परम्परा, अवनीश प्रताप सिंह

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-रिठौरा - प्राथमिक विद्यालय रिठौरा में गुरुवार को निपुण महोत्सव, वार्षिक उत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी बिथरीचैनपुर अवनीश प्रताप सिंह, निवर्तमान चेयरमैन राकेश कुमार उर्फ आर के कश्यप, एस0 आर0 जी0 लक्ष्मी शुक्ला, ऋषि पाल सिंह, के0सी0पटेल, कन्हई लाल गौतम, भगवान दास, शीला गंगवार एआरपी एवं प्रधानाचार्या एकता सक्सेना ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर किया।इस मौके पर खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री सिंह ने अपने सम्बोधन में बच्चों, शिक्षकों,




अभिभावकों एवं अन्य आगुन्तकों को सम्बोधित करते हुए कहा निपुण शब्द का वास्तविक अर्थ किसी भी कार्य में दक्षता हासिल कर लेना होता है। उन्होंने बताया आज सरकार की मंशा प्रत्येक बालक -बालिका को निपुण बनाना है।आज बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित समस्त विद्यालयों में बेहतर शिक्षा के परिणाम सबके सामने है। अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से बच्चों की शिक्षा में सर्वांगीण परिवर्तन सामने हैं। स्कूली बच्चों ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वन्दना से किया, बैल्कम सांग, गलती से मिस्टेक, फूलों, सब्जियों का रैप शो, देश भक्ति गीत, डान्स हास्य नाटिका, घूमर, कदम - कदम बढाए जा सामूहिक गीत की बड़ी ही मनमोहन प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। वहीं शिक्षिका सोनी शंखधार, अल्पना सक्सेना ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथिगणों का स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन उक्त शिक्षिकाओं ने ही किया।इस मौके पर पारूल चन्द्रा, शिखा अग्रवाल, राजेश मिश्रा, शिक्षिका वन्दना सक्सेना, दीप्ति राठौर, अल्पना सक्सेना, सोनी शंखवार, दुर्गा सिंह, दीक्षा सिंह, काशिफा कय्यूम, प्रवेश पाठक, वीरवती, एवं सभासद द्रोण पाल, समाजसेवी दिनेश भास्कर, सचिन गुप्ता, आयुष सक्सेना, सालिम अंसारी, उमाकांत कश्यप, सहित तमाम अभिभावक मौजूद रहे।

# लक्ष्य पब्लिक स्कूल में वार्षिक उत्सव पर नन्हें -मुन्नों ने प्रस्तुत किए मनमोहक कार्यक्रम



प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-रिठौरा - नवाब गंज विकास खंड के ग्राम पंचायत लावा खेड़ा तालिब हुसैन के लक्ष्य पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को वार्षिकोत्सव और विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की शुभारंभ विधायक डॉक्टर एमपी आर्या एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर आशुतोष गंगवार ने संयुक्त रूप से, माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर किया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर आशुतोष गंगवार ने अपने उद्बोधन में सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की, अपना एक मात्र उदेश्य शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने को उत्साहित किया। विधायक श्री आर्या ने बच्चों को सच्चाई के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। स्कूली बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर आगुन्तकों का मन मोह लिया। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष ओम प्रकाश गंगवार, स्कूल प्रधानाचार्य सूर्या प्रकाश, मंडल अध्यक्ष शशि, सरजू,, प्रधान हरीश कुमार सहित सैकड़ों अभिभावक मौजूद रहे।

# मुख्य विकास अधिकारी ने परखा बच्चों की शिक्षा का स्तर एवं मिड-डे-मील की गुणवत्ता



प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-रिठौरा - ग्राम पंचायत अल्हैया विकास खण्ड भदपुरा में विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान प्राथमिक विद्यालय अल्हैया में में चौपाल का आयोजन हुआ। चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी जग प्रवेश की देखरेख में आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता का आंकलन किया ।कक्षा 2 व 3 में बच्चों को दो अंकीए जोड़ तथा घटाने के सवाल श्यामपट पर दिए गए। जिनको हल करने के लिए स्वयं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ही ही बच्चों का चुनाव कर उनसे सवाल हल करने के लिए कहा । बच्चों ने बड़ी सरलता से उन्हें हल कर दिया ।जिस पर मुख विकास अधिकारी ने हर्ष व्यक्त किया गया।,उनके द्वारा विद्यालय के कायाकल्प के कार्य की समीक्षा की गई । उच्च अल्हैया में मिड-डे-मील भोजन की गुणवत्ता को चखकर परखा। फल ,दुध, वितरण के संबंध में बच्चों से विस्तार में जानकारी ली । बच्चों से शैक्षिक संवाद किया । दोनों विद्यालयों के कार्य की प्रसंशा की ग्रीन बोर्ड लगवाने के निर्देश दिए। दोनों विद्यालय के बच्चे मुख्य विकास अधिकारी से संवाद करने में खासे उत्साहित दिखे। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी त्रिलोकी नाथ विभाग का नेतृत्व करते रहे उनके द्वारा विद्यालय के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक एमपी आर्य ग्राम प्रधान कृष्णा गंगवार ,समाजसेवी भानु गंगवार , इंचार्ज शिक्षक राजेश सिंह तथा सुशील तंवर सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

# फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश दो गिरफ्तार

प्रेमचंद जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती- पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार यादव क्षेत्राधिकारी इकौना संतोष कुमार के कुशल निर्देशन मे थानाध्यक्ष गिलौला मय क्राइम ब्रांच पुलिस टीम लेंगडी गूलर पर मौजूद थे तभी मुखबिर द्वारा सूचना मिली की 02 व्यक्ति कटार गांव में फर्जी आधार कार्ड बना रहे हैं, इस सूचना पर विश्वास करते हुए पुलिस टीम द्वारा लेंगडी गूलर से कटार गांव जा रहे थे कि कटार गांव से पहले नहर की पटरी पर पहुंचे तो 02 व्यक्ति अलग-अलग मोटरसाइकिल से आते हुए दिखाई दिए मुखबिर द्वारा इशारा करने पर उन्हें रोकने की कोशिश की गई तो वह मोटरसाइकिल छोड़कर भागने लगे जिन्हें पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर प्राथमिक विद्यालय कटार के पास पकड़ लिया गया। दोनों व्यक्तियों से पूछताछ की गई तो एक ने अपना नाम सुधाकर मिश्रा पुत्र राम तेज मिश्रा निवासी रामपुर पैड़ा थाना गिलौला जनपद श्रावस्ती तथा दूसरे ने अपना नाम शिवपूजन पुत्र राम अभिलाष नि0 लाल नगर धरसवा थाना कोतवाली देहात जनपद बहराइच बताया। इनके कब्जे से फर्जी आधार कार्ड बनाने में प्रयोग किए जा रहे उपकरणों की बरामदगी की गई तथा मौके से बरामद 02 मोटरसाइकिल 1.स्प्लेन्डर ( क्ब40 ङ्ग 8247 ) 2. सुपर स्प्लेन्डर ( क्क46 रु 7680 ) को सीज किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना गिलौला पर अभियोग पंजीकृत किया

# थाईलैण्ड के चार अप्रवासी नागरिकों को प्रदान किया भारतीय नागरिकता प्रमाण

अरविन्द कुमार यादव
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती-जनपद के कटरा श्रावस्ती में स्थित महामंगकोल मैडिटेशन सेंटर के 04 थाईलैण्ड राष्ट्र के नागरिकों को जिला मजिस्ट्रेट नेहा प्रकाश ने कलेक्ट्रेट स्थित कक्ष में गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किया गया भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किया तथा उन्हें भारतीय नागरिकता की शपथ भी दिलाई ।जिला मजिस्ट्रेट ने बताया है कि कटरा श्रावस्ती



में स्थित महामंगकोल मैडिटेशन सेंटर के 04 थाईलैण्ड के नागरिकों क्रमशः श्रीमती सुमंत्रा मनोजारटकुल, कोडचाकोर्न सोमार्क, बेन्जामास सोमार्क एवं चारून चमरूसचाय द्वारा पूर्व में भारतीय नागरिकता के लिए गृह मंत्रालय भारत सरकार को आवेदन किया गया था। इन आवेदनों में सभी अर्हताएं पूरी पाये जाने पर भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र जारी किया गया है, जो इन्हें प्रदान किया गया है।

# राजश्री कालेज में होम सांइस विभाग में फूड फेस्ट, फैशन -शो का आयोजन

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-रिठौरा - राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड टेक्नोलॉजी बरेली के गृहविज्ञान विभाग द्वारा फूड फेस्ट व फैशन शो आधारित कार्यक्रम 卐आरम्भ卐 का आयोजन किया गया। जिसमें बी.एस.सी., एम.एस.सी. व एम.ए. होम सांइस की छात्राओं द्वारा फूड फेस्ट में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों, फैशन -शो में जरी, एम्ब्राइडरी आधारित विभिन्न परिधानों, पेन्टिंग व गृहसज्जा



का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सचिव राकेश कुमार अग्रवाल, एकेडमिक एडवाइजर मिस तूलिका अग्रवाल व प्रबन्ध निदेशक रोहन बंसल ने माँ सरस्वती का दीप प्रज्वलन से किया। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में देश की आधी आबादी को स्वावलम्बी बनाने की दिशा में इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन को बेहद आवश्यक बताया। संस्थान की एकेडमिक एडवाइजर मिस तूलिका अग्रवाल ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में देश की आधी आबादी के स्वावलम्बन के लिए इन प्रयासों की प्रशंसा की। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किये गये भारतीय परिधानों में गुजराती, पंजाबी, दक्षिण भारतीय परिधानों के आधुनिक शैली के अनुसार रूपान्तरण की सराहना की। इसके अतिरिक्त फूड फेस्ट में साक्षी गंगवार ग्रुप ने दही बड़ा, बासुंदी, मोनिका ग्रुप ने गोलगप्पे, चाय, अंशिका माहेश्वरी ग्रुप ने आलू की टिक्की, गाजर हलवा, वर्षा श्रीवास्तव ग्रुप ने भेल पुरी, बड़ा पॉव, कीर्ति ग्रुप ने दाल बाटी चूरमा, मावा कचौड़ी, अंसिरा परवेस ग्रुप ने छोले भटूरे, लस्सी, शिवानी गंगवार ग्रुप ने इडली साम्भर, उतपम आदि व्यंजनों को पेश किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन फैशन शो आधारित रैम्प वॉक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जायेगी। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. मुकेश पाल गंगवार ने डीन (एकेडिमिक्स) डॉ. साकेत अग्रवाल, निदेशक डा. अनिल कुमार व समस्त अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. सुषमा गंगवार ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. स्वतन्त्र गुप्ता, डॉ. जीशान तबस्सुम, पूजा गुप्ता, शिवानी शर्मा, विदिशा आनन्द, शिवानी कटियार व संगीता सिंह का सहयोग रहा।

# 15 दिन में लगने हैं तीन ब्लॉक के 58 स्कूलों के शौचालय में टाइल्स

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- कलक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को ऑपरेशन कायाकल्प एवं निपुण भारत अभियान की समीक्षा बैठक हुई। इसमें डीएम अंकित कुमार अग्रवाल ने निर्देश दिए कि जनपद के विद्यालयों में चिह्नित किए गए 39 जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई 31 मार्च तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर ली जाए। समीक्षा बैठक में डीएम ने कहा कि विद्यालय में शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल के बेहतर इंतजाम किए जाएं। बच्चों को बेहतर शिक्षा का वातावरण उपलब्ध कराया जाए। सभी बीडीओ ऑपरेशन कायाकल्प के तहत निर्धारित पैरामीटर पर कार्य अतिशीघ्र पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि शौचालयों में टायलीकरण का कार्य निधौलीकलां, शीतलपुर, अलीगंज में शेष है। इसे इस

माह पूर्ण कर लिया जाए। पंचायतीराज विभाग से 58 विद्यालयों में सामुदायिक शौचालय का निर्माण कार्य कराया जाए। विद्यालय में पंजीकृत शतप्रतिशत बच्चों के आधार कार्ड बनवाए जाएं। ताकि उन्हें डीबीटी के माध्यम से शासकीय धनराशि आवंटित की जा सके। निपुण भारत अभियान में खण्ड शिक्षाधिकारी बैठक में पूर्ण तैयारी के साथ प्रतिभाग करें। एसआरजी, एआरपी बैठक में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी एआरपी, एसआरजी, डीसी, एबीएसए से निर्धारित मानक के अनुरूप विद्यालयों का विजिट कर शैक्षिक गुणवत्ता पर जोर दिया जाए। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में निर्धारित सीटों के सापेक्ष शतप्रतिशत नामांकन होना चाहिए। बैठक में सीडीओ डा. एके वाजपेयी, एडीएम प्रशासन आलोक कुमार, प्राचार्य डायट जितेंद्र सिंह, बीएसए संजय सिंह, डीपीआरओ केके सिंह, खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षाधिकारी, जिला समन्वयक मौजूद रहे।

# भुरगंवा में मेले को नहीं मिली अनुमति, पुलिस बल तैनात

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- गांव भुरगंवा का मेला अनुमति न मिलने के कारण नहीं हो सका। गांव में मेले का आयोजन करने वाली समिति व ग्रामीणों पर पुलिस की नजर बनी हुई है। गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। लगातार थाना पुलिस गश्त कर रही है। भुरगवां में कई वर्ष से तीन दिवसीय मेले का आयोजन हुआ करता था। मेले में ढोला, नौटंकी आयोजन तीन दिन चलता था। बीते वर्ष होली के बाद अष्टमी को लगने वाले मेले में रात्रि में बवाल हो गया था।

यह जातीय संघर्ष में बदल गया। दर्जनों लोगों को जेल जाना पड़ा। सैकड़ों पर मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। एक माह तक पिछले वर्ष गांव में पुलिस व पीएसी ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली थी। इसे लेकर इस वर्ष मेला समिति ने आयोजन की स्वीकृति प्रशासन से मांगी। मामले को लेकर प्रशासन ने कोई जोखिम उठाना उचित नहीं समझा। मेला पर रोक लगाते हुए गांव में पुलिस बल

तैनात कर दिया गया है। गांव में शांतिपूर्ण माहौल बना रहे। राजनीति से भी नहीं सुलझा बवाल पहुंचा हाईकोर्ट गांव में हुए संघर्ष पर विराम लगाने के लिए जनपद के तीन मौजूदा विधायकों ने कमान संभाली। एक-दूसरे पक्ष ने पुलिस पर पक्षपात की कार्रवाई करने का आरोप लगाया। मामला बैकफुट पर आ गया। इसमें अपने बचाव के लिए आरोपियों ने उच्च न्यायालय की शरण ली। वहां मामला विचाराधीन है। शासन के संज्ञान लेने पर सुरक्षा व्यवस्था कायम गांव में दो पक्षों में तनाव को लेकर मामला हाईलाइट होने के बाद शासन के संज्ञान में पहुंचा। वहां से बवालियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश मिलते ही पुलिस ने एक माह जमकर चाबुक चलाया। तब गांव में शांति का माहौल कायम हुआ। मेला लगने की डीएम कार्यालय से कोई परमिशन नहीं थी। इसलिए लॉ इन ऑर्डर को लेकर गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।-सुधांशु शेखर, क्षेत्राधिकारी सदर, एटा, मेले की प्रथा का हो चला अंत- तीन दिन शहनाई की तरह गूंजने बाले गांव भुरगंवा में चंद लोगों ने बवाल कर गांव की फिजा को खराब करते हुए मेला समाप्ति का कार्य कर दिया। प्रशासन ने गांव में लगने वाले मेले की अनुमति के लिए हाथ खड़े कर दिए। इससे मेले का अंत हो गया। आगामी वर्षो में सिर्फ यादें बाकी ही रह गईं।

# अपराध शून्य नीति पर कार्य योजना बनी रहेगी -कुलकर्णी

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- कासगंज,नवागत पुलिस उपमहानिरीक्षक अलीगढ़ रेंज सुरेश राव आनन्द कुलकर्णी ने यहां पुलिस कार्यालय के सभागार में जन प्रतिनिधियों से परिचय और विचार विमर्श के बाद जनमानस की समस्यायों के निस्तारण हेतु आपसी सहयोग की नीति पर कार्य करने की आवश्यकता बतलाई। तथा सभी थानों के प्रभारी एवं क्षेत्राधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। तत्पश्चात प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की नीतियों के अनुरूप अपराधियों और अपराधों पर जीरो टालरेंस की नीति पर और दृढ़ता से कार्य किया जायेगा। साथ ही कानून व्यवस्था को सुदृढ़ता के साथ लागू रखा जायेगा। महाराष्ट्र के बीड जिले के मूल निवासी सुरेश राव आनन्द कुलकर्णी पूर्वांचल के क ई जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में कुशलता पूर्वक कार्य कर चुके हैं। पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जनपद में न ए थाने खोलने और घनी आबादी के बीच से कासगंज थाने को उचित स्थान मिलने पर स्थानांतरित किया जायेगा। डॉ विनय शौनक कासगंज।

# भीड़भाड़ वाले इलाके में गैस रीफिलिंग करने की रिपोर्ट

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-गैस रीफिलिंग का कार्य चोरी-छिपे चल रहा है। कोतवाली देहात पुलिस ने छापा मारकर काफी संख्या में सिलेंडर पकड़े थे। डीएम के आदेश के बाद कोतवाली देहात में दो आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। एसएचओ कोतवाली देहात सुनील कुमार सिंह व टीम ने कुछ दिन पहले कासगंज रोड स्थित गांव कसेटी के पास छापा मारा था। इस दौरान काफी संख्या में गैस सिलेंडर मिले थे। गैस की अवैध रिफिलिंग हो रही थी। भीड़-भाड़ वाले क्षेत्र में गैस रीफिलिंग होने से खतरा भी बना रहता है। एसएचओ ने बताया कि पूर्ति निरीक्षक राजेश कुमार, नागेंद्र निवासी कसेटी कोतवाली देहात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि पहले भी मलावन व सकरौली क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान गैस सिलेंडर मिले थे। बिना एलपीजी पंप के कैसे चल रहे हैं ऑटो गैस रीफिलिंग को लेकर आए दिन शिकायतें आती रहती हैं। शहर में चलने वाले अधिकांश ऑटो एलपीजी से चलने वाले हैं। शहर में कहीं पर भी कोई एलपीजी पंप नहीं है। इन ऑटो में गैस कहां से भरी जा रही है। जगह-जगह लोगों ने रीफिलिंग करने के अड्डे बना लिए हैं।

# नगरपालिका ने अतिक्रमण मुक्त कराया तालाब

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-पालिकाक्षेत्र के तालाब पर किये गये अतिकृमण को अधिशासी अधिकारी के नेत्रत्व में जेसीबी द्वारा हटवाकर तालाब को अतिकृमणमुक्त किये जाने की कार्रवाई की गई। पालिका प्रशासन द्वारा तालाब का सुंदरीकरण किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी कैलाशनाथ मिश्रा ने बताया, कि कस्बा के मुहल्ला कम्बोह स्थित नगर पालिका के ढाई बीघा तालाब पर कुछ मुहल्लावासियों ने ही झौंपड़ी आदि बनाकर स्थाई व अस्थाई अतिकृमण कर रखा था। पिछले समय पालिका द्वारा अभियान चलाकर तालाब से सभी का अतिकृमण हटवा दिया गया था, लेकिन नगला तुला निवासी छोटे ने परिवार के रहने के लिए अन्य कोई

मकान न होने का हवाला देते हुए अपना निर्माण हटाने में असमर्थता जताई थी। ईओ ने बताया, कि परिवार की स्थिति को देखते हुए छोटे के नाम प्रधानमंत्री आवास भी आवंटित करा दिया था। आवास निर्माण के बाद छोटे का परिवार उसमें रहने लगा था। इसके बाद भी छोटे द्वारा सरकारी तालाब से अतिकृमण नहीं हटाया गया। जिसके चलते बुधवार को जेसीबी द्वारा उक्त अतिकृमण को हटवाकर तालाब को पूरी तरह से अतिकृमणमुक्त करा दिया गया। ईओ ने बताया, कि स्वच्छ भारत मिशन शहरी योजना के अंतर्गत उक्त तालाब का सुंदरीकरण कराया जा रहा है। जिससे कि जलसंचयन के साथ- साथ तालाब के रूप में मुहल्लावासियों को उपयोगी स्थल भी उपलब्ध हो सके। इस मौके पर चन्द्रपालसिंह, ध्रुव कुमार, इंदल आदि पालिकाकर्मी मौजूद रहे।

# बहुगुणा जी की 34 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा- हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति जनपद एटा के जिला अध्यक्ष कुंवर अमित राज दिक्षित के संयोजन में हरी बाबू गुप्ता एडवोकेट के कैलाश गंज स्थित कार्यालय पर बहुगुणा जी की 34 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके संघर्ष मई विकास मईजीवन पर गोष्ठी का आयोजन किया गया

इस अवसर पर इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा नेताअरुण दीक्षित ने कहां की नाम बहुगुणा कम 100 गुना नाम से भारत में विख्यात हेमवती नंदन बहुगुणा जी सर्व समाज का चतुर्मुखी विकास की अविस्मरणीय प्रतिमूर्ति थे

गोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा नेता प्रमोद गुप्ता ने कहा के उत्तर प्रदेश को एक अद्वितीय स्वरूप प्रदान करने में बहुगुणा जी का अहम भूमिका रही! प्रमुख समाज सेवी हरी बाबू गुप्ता ने कहा कि बहुगुणा जी के समाज हित के कार्यों को जनता आज भी याद करती है! इस अवसर पर समिति के जिला उपाध्यक्ष असित दीक्षित, हरेंद सारस्वत, संत कुमार मिश्रा, हेमंत पांडे, जिला महामंत्री अभिषेक यादव,राहुल यादव, रिंकू पांडे, मनोज उपाध्याय,सचिव इंद्रपाल यादव, महेश गिरी, सियानंद जाटव, सर्वेश यादव,के साथ साथ समाजसेवी सतीश गुप्ता, राकेश गुप्ता एड, तेजपाल जाटव, रामू वर्मा, राहुल जैन, मोहित पांडे, विश्वनाथ यादव, प्रदीप बिसारिया आदि के द्वारा प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि प्रदान की गई!

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

# विद्युत उप केन्द्रों पर निरीक्षण में अनुपस्थित तीन एसएसओ, दो लाईनमैन को सेवा समाप्ति हेतु नोटिस जारी किए

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल के निर्देशन में अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन आलोक कुमार ने विद्युत कर्मियों द्वारा की गई हड़ताल को दृष्टिगत जनपद के विभिन्न विद्युत उप केन्द्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया।

एडीएम ने तहसील जलेसर क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान पाया कि एसएसओ दाताराम विद्युत उप केन्द्र सकीट, एसएसओ अजय औद्योगिक आस्थान, एसएसओ अवधेश जलेसर टाउन, पुष्पेन्द्र लाईनमैन जलेसर टाउन, रामरतन लाईनमैन आईटीआई जलेसर अपनी ड्यूटी से गायब थे।

एडीएम प्रशासन ने ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित मिले एसएसओ, लाईनमैन को विद्युत आपूर्ति में बाधा डालने, अपनी ड्यूटी स्थल पर उपस्थित न होने के संबंध में नोटिस निर्गत करते हुए निर्देशित किया गया कि वह तत्काल अपनी तैनाती स्थल पर ड्यूटी करना सुनिश्चित करें, अन्यथ की स्थिति में एसएसओ, लाईनमैन की सेवा तत्काल समाप्त करते हुए कड़ी विधिक कार्यवाही की जाएगी।

# हर ब्लॉक में बनेगी एक- एक अस्थाई गोशाला

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-कलक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को अस्थाई गोआश्रय स्थलों की अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीएम अंकित कुमार अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक ब्लाक में एक-एक गोआश्रय स्थल की स्थापना होनी है। उसके लिए भूमि चिह्नांकन करने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाए। समीक्षा बैठक में डीएम ने निर्देश दिए कि गोवंशों को संरक्षित करने के लिए प्रत्येक ब्लाक में शासन की मंशानुसार एक-एक

अस्थायी गोआश्रय स्थल का निर्माण किया जाना है। गोआश्रय स्थल में गोवंशों के लिए भूसा, चारा, पीने के पानी के बेहतर इंतजाम करें। ग्राम पंचायतों को भूसा एकत्रित करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया जाए। डीएम ने कहा कि निराश्रित गोवंशों के मुक्त गांव की कवायद शुरू की जाए। इसके साथ ही सड़क पर गौवंश न दिखे। इसके लिए गौशालाओं को आत्म निर्भर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत लक्ष्यों के निर्धारण के अनुसार आवंटित लक्ष्य की प्रतिपूर्ति करते हुए लाभार्थियों को समय से धनराशि प्रेषित की जाए। गोवंशों की देखरेख को तैनात किए गए केयरटेकर को समय से मानदेय भुगतान किया जाए। संरक्षित गोवंश की शतप्रतिशत टैगिंग करें। निराश्रित गोवंश के संरक्षण के प्रति जनमानस की सहभागिता करें। संरक्षित गोवंशों को विभिन्न बीमारियों से बचाव को समय से टीकाकरण व समुचित चिकित्सा व्यवस्था को अधिक बेहतर किया जाए। बैठक में सीडीओ डा. एके सन आलोक , सीवीओ एके सिंह, डीपीआरओ केके , बीडीओ, पशु चिकित्साधिकारी, ईओ मौजूद रहे।

# जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न

लंकीन प्रसाद वर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती- वित्तीय वर्ष 2022-23 की चतुर्थ त्रैमासिक जिला परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय आरसेटी सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने बैंकों के माध्यम से संचालित तमाम योजनाओ की गहनता से समीक्षा की। तथा बैंक प्रबन्धकों को निर्देश दिया कि बेरोजगारों द्वारा स्वरोजगार के लिए ऋण लेने हेतु उद्योग विभाग या अन्य सम्बन्धित विभागों के माध्यम से आवेदन किया जाता है तो उन आवेदनों को गहनता से जांच करें, यदि आवेदन में किसी भी अभिलेख की कमी रहती है तो आवेदक से समय से सभी औपचारिकताओं को पूर्ण कराकर उन्हें ऋण मुहैया कराया जाय, ताकि वे समय से अपना रोजी-रोजगार कर सकें।

# महुली में पदस्थ शराबी कर्मचारियों से ग्रामीण परेशान है

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

सूरजपुर जिले के दूरस्थ क्षेत्र महुली में पदस्थ शराबी कर्मचारियों से ग्रामीण परेशान है आये दिन शराब के नशे में मदमस्त कर्मचारी यहाँ वहाँ जमीन पर पड़े नजर आ जाते है. ऐसा ही नजारा आज गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान रेण्ड पार्क परिक्षेत्र महुली के कार्यालय परिसर में देखा गया जब उद्यान के बीट गार्ड उदय राजवाड़े शराब के नशे में मदस्त होकर यहाँ वहाँ फिरता रहा,आखिरकार वह परिसर में बने आवास के सामने शराब के नशे में मद होकर अचेत पड़ गया. आसपास के ग्रामीणों ने विभाग के आला अधिकारियों को अवगत कराया गया.गौरतलब है उद्यान क्षेत्र में बड़े पैमाने पर

बहुमूल्य लकड़ी तस्करी की जा रही है तो वही दूसरी ओर उद्यान कर्मचारी रात दिन शराब खोरी में मदमस्त है

## ग्रामीणों ने बताया कि कोल्हुआ के पास

उद्यान की बेरियर बार मे तब्दील हो गया है बेरियर में पदस्थ कर्मी शराब के नशे में ग्रामीणों के साथ दूर्यव्यवहार कर गाली गलौज करने से बाज नही आते. फिलहाल कोई भी जिम्मेदार अधिकारी के न रहने पर कर्मचारी उद्यान कार्यालय को बार बना दिये है रात होते ही कर्मचारी शराब के नशे में मदमस्त झूमते रहते है कभी कभी गाली गलौज कर आपस मे भी लड़ जाते है. बहरहाल शराब की लत उद्यान कर्मचारियों के सर जमकर बोल रहा है. सब कुछ जानते हुए भी अधिकारी ऐसे शराबी कर्मचारियों के भरोसे महुली परिक्षेत्र को छोड़ रखा है

# दरिंदगी की दहलाने वाली रिपोर्ट, शरीर के कई हिस्सों पर दांतों से काटा, छाती पर खरोंच के निशान

हुक्काबार में डॉक्टर दंपती की बेटी से दुष्कर्म के मामले में मेडिकल रिपोर्ट से हैवानियत की कहानी बयां हो रही है। आरोपी ने छात्रा से दुष्कर्म के साथ दरिंदगी भी की थी। उसके शरीर पर आठ जगह दांतों से काटा था। मजिस्ट्रेट भी किशोरी की मेडिकल रिपोर्ट देखकर सहम गए। कानपुर के हुक्काबार में डॉक्टर दंपती की नाबालिग बेटी से आरोपी विनय ठाकुर ने दरिंदगी की सारी हदें पार कर दी थीं। उसके होंठ, गाल, जांघों समेत शरीर पर आठ जगहों पर दांतों से काटा था, जिससे घायल हुई थी। इसका खुलासा छात्रा की मेडिकल रिपोर्ट में हुआ है। वहीं, घटना के बाद से छात्रा अवसाद में

है, जिसका परिजन इलाज करा रहे हैं। छात्रा की मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद पुष्टि हो गई कि आरोपियों ने सिर्फ उसके साथ दुष्कर्म ही नहीं, बल्कि दरिंदगी भी की थी। मेडिकल रिपोर्ट में छात्रा की छाती पर नाखून से नोचने के निशान मिले हैं। बर्रा के एमजी कैफे ( हुक्काबार ) में बीते तीन मार्च को छात्रा से जरौली में रहने वाले विनय ठाकुर ने दुष्कर्म किया था। इसके बाद उसे बर्रा थाने के हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर, अमन सेंगर और उनके पांच दोस्तों को सौंप दिया। सभी ने सुनसान जगह पर किशोरी के साथ गैंगरेप का प्रयास किया। बाल कल्याण समिति के सामने भी छात्रा की पेशी

उसके साथ जमकर मारपीट की। मामले में पुलिस ने रेप और मारपीट समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली। मुख्य आरोपी विनय और उसके साथी हुक्काबार संचालक के भाई को जेल भेज दिया था। कुछ दिन पहले बाल कल्याण समिति के सामने छात्रा पेश हुई थी।

## मजिस्ट्रेट भी रिपोर्ट देखकर सहमे

यहां उसकी काउंसिलिंग होनी थी। सिर्फ दुष्कर्म की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। मामला तूल पकड़ने के बाद पुलिस ने इस मामले में गैंगरेप का प्रयास समेत अन्य धाराएं बढ़ाई थीं। दो लोगों को जेल भेजने के बाद फरार हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर, अमन सेंगर व चार अज्ञात को अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

## हिस्ट्रीशीटर के परिजन दे रहे धमकी

पीड़िता के परिजनों ने बर्रा पुलिस की भूमिका संदिग्ध बताई है। उनका कहना है कि बर्रा थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह आरोपियों पर सख्ती से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। फरार हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर के परिजनों का पीड़िता के घर आकर मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने का आरोप लगाया।

# घर के बाहर खड़ी मोटर साइकिल को चोर ले उड़े

पवन कुमार
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

कोंच( जालौन ) कोंच मे वाहन चोरी की घटनाओ मे रोज रोज इजाफ़ा हो रहा है और वाहन चोर अपना काम कर पुलिस को चुनोती दे रहे है आज एक मोटर साइकिल फिर चोर चोरी करके भाग खड़े हुए मिली जानकारी मे कोतवाली मे प्रार्थना पत्र देते हुए पुनीत सिंह पुत्र भगवान दास निवासी मुहल्ला ज्वाहर नगर कोंच ने, बताया है की घटना दिनांक 15 मार्च को रात के समय मे अपनी मोटर साइकिल यूपी 92 यू 2531 सी टी 100 रंग काला नीला है खड़ी करते हुए घर पर सो गया और 16 मार्च को जब सुबह उठा तो देखा उसकी मोटर साईकिल नदारत थी काफी खोज बीन की परंतु वह नही मिली उसने कोतवाली पुलिस से कार्यवाही की गुहार लगाई है

# बेजुबान जानवरो की सेवा से सब कुछ मिल जाता है- सुरेश गुप्ता

## कान्हा गोशाला मे रोज हरी सब्जी भेज रहे बाबू जी

पवन कुमार
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

कोंच( जालौन ) नगर के जाने माने समाजसेवी सुरेश बाबू गुप्ता बाबू जी बडा मील वाले इस समय नगर क्षेत्र मे बनी गोशालो मे जाकर वहाँ रह रहे बेजुवान जान वरो के लिए उनके खाने पीने के लिए रोज रोज तमाम अच्छी हरी सब्जी अपने निजी वाहन से भेजने का काम कर रहे और यह काम वह काफी समय से कर रहे है इस सम्बन्ध मे सुरेश बाबू गुप्ता का कहना है की जब मनुष्य अपने लिए तमाम प्रकार की सब्जिया खाता है तो यह बेजुबान जानबर है जो बोलते नही है लेकिन जानते तो सब है

इसी को लेकर हर रोज वह गोशाला ओ मे कई, किस्म की सब्जिया भेजाते है इस पर बाबू जी ने कहा की इन बेजुबान जानवरो के लिए सब को सोचना चाहिए इन जानवरो की सेवा से सब कुछ मिल जाता है

# केलिया वाई पास पर एक पिकअप अ नियन्त्रित होकर पेड़ से भिड़ी

पवन कुमार -दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

कोंच( जालौन )- शुक्रवार को एक पिकअप गाड़ी जो नगर के आराजी लेन कसाई मंडी से अपने साथ दो अन्य लोगो को बैठाकर भेस पड़ा ख़रीदने के लिए दोपहर दो बजे के आस पास जाने को निकली जैसे ही यह पिकअप गाड़ी पंचानन चौराहा के पहले ही अनियन्त्रित होकर एक सडक के किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई जिसमे सवार तीन लोग घायल हो गये राहगीरो ने जब यह घटना देखी तो रुक गये और इसकी सूचना पुलिस को दी और घायल पड़े लोगो को अस्पताल भिज वाया जिनमे अरमान पुत्र अफसर जावेद और आल्फ़ाज पुत्र भूरा निवासी गण आराजी लेन कोंच बताये गये गम्भीर रुप से घायल अल्फाज को ग्वालियर भेजा गया है इस पिकअप गाड़ी की गति इतनी तेज थी की गाड़ी बुरी तरह से, चकना चूर गो गयी है पुलिस इस घटना की जांच कर रही है

# कोल्ड स्टोरेज में आलू रखने का शुल्क हुआ तय, सादा और सुगर फ्री आलू के भंडारण की यह है फीस

अलीगढ़ के कोल्ड स्टोरेज में आलू भंडारण का शुल्क निर्धारित हो गया है। पिछली साल की अपेक्षा शुल्क में इस वर्ष बार मामूली बढ़ोत्तरी की गई है। कोल्ड स्टोरेज में सादा आलू के भंडारण शुल्क में 10 रूपए और शुगर फ्री के लिए 15 रूपए की वृद्धि की गई है। डीएम इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में कोल्ड स्टोरेज स्वामियों, प्रबन्धकों, किसानों एवं सम्बन्धित अधिकारियों के साथ आलू भण्डारण दर निर्धारित करने

के सम्बन्ध में बैठक हुई। पिछले साल सादा आलू 240 रूपये प्रति कुंतल और सुगर फ्री आलू 280 रूपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया था। इस साल शीत गृह स्वामियों ने सादा आलू 270 एवं सुगर फ्री आलू 300 रूपये प्रति कुंतल की मांग रखी। तुलनात्मक अध्ययन करने एवं दोनों तरफ के विचारों को सुनने के बाद डीएम ने निर्धारित किया कि सादा आलू का 250 रूपये प्रति कुंतल एवं सुगर फ्री आलू का 285 रूपये भण्डारण शुल्क लिया जाएगा, जिसका कड़ाई से अनुपालन होगा। चौधरी गुलवीर सिंह, हरपाल सिंह, एवं भानुप्रताप सिंह, भोलू प्रधान एवं अन्य आलू किसानों ने मांग की है कि जनपद में आलू खरीद केन्द्र खोला जाए। आगरा, मथुरा में आलू भण्डारण शुल्क यहां से कम है और आलू रखे व निकाले जाने के दौरान दी जाने वाली राशि को भी भण्डारण शुल्क में जोड़ा जाए। शीत गृह स्वामियों की ओर से अध्यक्ष गिर्राज माहेश्वरी ने कहा कि किसान हित के साथ ही शीत गृह स्वामियों की समस्याओं, खर्चों को ध्यान में रख कदम उठाया जाए। उन्होंने कई प्रकार के विवादों से बचने के लिए शीत गृह स्वामियों द्वारा किसानों का आलू खरीदने व बेचने की प्रक्रिया को बन्द करने का आग्रह किया।

# बिजली कर्मचारियों की हड़ताल खत्म, बैठक में निजीकरण का प्रस्ताव वापस लेने पर बनी सहमति

बिजली कर्मचारियों व अभियंताओं का सोमवार से शुरू हुआ प्रदेशव्यापी कार्य बहिष्कार मंगलवार शाम को समाप्त हो गया। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति और प्रदेश सरकार के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा की कैबिनेट उप समिति के बीच वार्ता में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का प्रस्ताव वापस लेने की सहमति बन जाने के बाद कार्य बहिष्कार समाप्त करने का एलान हुआ। दोनों मंत्रियों और मुख्य सचिव आरके तिवारी की मौजूदगी में संघर्ष समिति के पदाधिकारियों व पावर कार्पोरेशन प्रबंधन के बीच समझौते पर दस्तख किए गए। निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मचारियों की हड़ताल से सोमवार से लेकर मंगलवार तक पूर्वांचल सोनभद, मिर्जापुर, आजमगढ़ और जौनपुर में लोग बुरी तरह से परेशान थे। शहरी क्षेत्रों में तो आमजनता को एक-एक बूंद के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। हांलाकि सहमति के बाद पूर्वांचल में बिजली व्यवस्था धीरे धीरे पटरी पर लौट रही है। हड़ताल से इस कदर जन जीवन हुआ प्रभावित - सोनभद्र जिले के अनपरा,

ओबरा समेत कई अन्य क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है। इसके चलते लोगों को पानी के संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। अनपरा में 24 घण्टे से अधिक समय से गैर परियोजना क्षेत्रों की लाइट गुल रहने से आक्रोशित नागरिकों ने सोमवार की शाम अनपरा थाने पहुंच कर जहां विद्युत निगम के खिलाफ विरोध जताया था। इसके बाद भी आपूर्ति सुचारू नहीं हो पाई है। ओबरा में गैर निगमीय कालोनियों में बीते सोमवार को दोपहर से बिजली आपूर्ति बंद है। इसके कारण लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इलाके के राम मंदिर कालोनी, चोपन रोड, बिल्ली गांव, सुमन नगर, मिल्लत नगर, गैस गोदाम रोड आदि स्थानों पर बीती रात लोगों को अंधेरे में गुजारनी पड़ी। सबसे बड़ी समस्या लोगों के सामने पानी की उत्पन्न हो गई है। वहीं मंगलवार को भी कार्य बहिष्कार जारी रहने के कारण बिजली आपूर्ति चालू नहीं हो पाने की आशंका जताई जा रही है। पीसीएल ओबरा के एसडीओ विवेक कुमार का कहना है कि कार्य बहिष्कार के दौरान कोई भी कर्मचारी फाल्ट अटेंड नहीं करेगा। उधर प्रदेश को सबसे अधिक राजस्व देने वाला बिल्ली मारकुंडी स्थित खनन क्षेत्र में सोमवार से बिजली आपूर्ति नहीं होने के कारण क्रशर प्लांट ठप हैं। जिससे प्रदेश सरकार को भारी राजस्व का नुकसान हो रहा है। विढमगंज के क्षेत्रों में सब स्टेशन से लगातार 38 घंटे से विद्युत आपुर्ति बाधित है। इस सब स्टेशन से 32 ग्राम पंचायतों को विद्युत सप्लाई की जाती है। बिजली न आने लोगों को पानी के संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। मिर्जापुर में मचा हाहाकार, अभियंताओं ने बंद किया मोबाइल - मिर्जापुर जिले में एक ओर हाहाकार मचा है वहीं दूसरी ओर विद्युत विभाग के अभियंताओं ने अपना मोबाइल आउट ऑफ सर्विस कर लिया है। मुख्य अभियंता फोन ही नहीं रिसीव कर रहे हैं। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि विद्युत कर्मियों की हड़ताल अभी जारी रहेगी। हालांकि विद्युत विभाग के इस रवैए के विरोध में कुछ नागरिक संगठन भी आ गए हैं। उन्होंने विरोध प्रदर्शन का निर्णय लिया है।उनका आरोप है कि अपने स्वार्थ के चलते विद्युत विभाग जनता को परेशान कर रहा है। सरकार और विभाग की लड़ाई में निर्दोष जनता नहीं पिसनी चाहिए। बिजली की हड़ताल से पूरे जिले में लोग एक एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। हैंडपंपों पर व जहां कहीं उपलब्ध है, वहां टैंकरों के पास लोगों की भीड़ लगी है। एक-एक बाल्टी पानी के लिए तू-तू मैं-मैं और लड़ाई हो रही है। छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं भी अपने-अपने बर्तन लेकर पानी लेने के लिए सड़कों पर निकल पड़े हैं। लेकिन जिला प्रशासन के आला अधिकारी अभी भी चैन की नींद सो रहे हैं।आजमगढ़ में बिजली को लेकर जगह-जगह चक्काजाम- बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के चलते ओर आजमगढ़ जिले में हाहाकार मच गया। उमस भरी गर्मी और पानी की किल्लत से लोग परेशान नज़र आए। मंगलवार को जगह-जगह चक्काजाम कर लोगों ने विरोध दर्ज कराया। सोमवार को सिधारी क्षेत्र में जाम किया गया तो मंगलवार को पाण्डेय बाज़ार चौराहा जाम कर लोगों ने विरोध दर्ज कराया। जहानागंज में भी विरोध-प्रदर्शन हुआ। नगर से सटे बलरामपुर हाइडिल गेट पर रात लगभग साढ़े नौ बजे काफी संख्या में आजमपुर गांव के ग्रामीण गेट पर पहुंच गए। पुलिस कर्मियों ने उन्हें वापस जाने को कहा जिसे लेकर नोकझोंक भी हुई। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीण वापस हुए। ग्रामीण क्षेत्रों के हालात भी हुए खराब- बिजली की आपूर्ति बाधित होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के हालात भी खराब हो चुके हैं। लोगों के बिजली से चलने वाले उपकरण बंद हैं। मोबाइल बंद होने से लोग अपनों से बात नहीं कर पा रहे हैं। लोग सरकार और विद्युत कर्मचारियों को कोस रहे हैं। उनके द्वारा सरकार पर हड़ताल को लेकर किए गए इंतजामों में लापरवाही का आरोप लगाया जा रहा है।अधिकारियों पर रहम, आम जनता पर सितम हड़ताल के बीच बिजली कर्मचारियों का भी दोहरा चरित्र सामने आया है। उनकी इस हड़ताल से प्रत्येक माह बिजली का बिल भरने वाली जनता तो पिस रही है, लेकिन बिजली कर्मचारियों की ओर से अधिकारियों के लिए रहम दिखाई जा रही है। कलक्ट्रेट क्षेत्र और सिधारी हाईडिल की बिजली आपूर्ति बहाल है।बाल्टी लेकर हैंडपंपों की ओर चले लोग- विद्युत कर्मचारियों की हड़ताल से जनपद में स्थिति दयनीय हो गई। हालात यह है कि नगर क्षेत्र के आधे से अधिक इलाके अंधेरे में डूबे हैं। जिन इलाकों में रविवार की रात से ही लाइट कटी हुई है उन इलाकों में लोगों को सोमवार की रात भी जागकर बितानी पड़ी। सुबह होते ही नित्य क्रिया के लिए लोग बाल्टी लेकर हैंडपंपों पर लाइन लगाए हुए नजर आए। जिन घरों में छोटे बच्चे हैं सबसे बुरी हालत उन घरों की है। कमोबेश पूर्वांचल के वाराणसी, भदोही, जौनपुर सहित अन्य जिलों का भी यही हाल है। वाराणसी में बिजली विभाग के कर्मचरियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए निजीकरण के विरोध में नारेबाजी भी की।

# एट पुलिस ने एक गुम हुए बच्चे को सकुशल परिजनों को सौंपा पुलिस के कार्य की हुई प्रसँसा

पवन कुमार -दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

कोंच( जालौन )- कोंच सर्किल के थाना एट के प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह और उनकी पुलिस टीम ने बीते दिनों कस्बा एट मे अपने पिता को टॉर्च देने के लिए रात के समय घर से निकला था लेकिन वह नही मिला पुलिस ने इसको लेकर रिपोट दर्ज की थी और आज एट पुलिस ने उस एक जगह से सकुशल बरामद किया है और उस बच्चे को उनके परिजनों को सुपुर्द, कर दिया है बच्चे को पाकर परिजन खुश नजर आये और उन्होंने इस कार्य के लिए पुलिस की खूब तारीफ की

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

# गलती से दुनिया के सबसे अमीर संन्यास के सवाल पर सुरेश रैना खिलाड़ी बने गिलक्रिस्ट, ट्वीट बोले- मैं शाहिद अफरीदी नहीं हूं कर फैंस को बताई पूरी हकीकत

एडम गिलक्रिस्ट ने बताया कि स्व45 फिटनेस सेंटर की शुरुआत करने वाले एडम गिलक्रिस्ट भी पहले क्रिकेटर थे। इसी वजह से उन्हें गलती से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी समझ लिया गया। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट को दुनिया का सबसे अमीर खिलाड़ी बताने वाली रिपोर्ट सामने आने के बाद क्रिकेट जगत में सनसनी मच गई थी। सभी फैंस और खिलाड़ियों की समझ से परे था कि गिलक्रिस्ट अचानक इतने अमीर खिलाड़ी कैसे बन गए, क्योंकि उस रिपोर्ट में उनकी आय 3132 करोड़ रुपये (380 मिलियन डॉलर) बताई गई थी। रिपोर्ट में दुनिया के 10 सबसे अमीर खिलाड़ियों के बारे में बताया गया था और इस सूची में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर का नाम सबसे ऊपर था। उनकी आय 380 मिलियन डॉलर थी। वहीं, दूसरे नंबर पर मौजूद सचिन तेंदुलकर की आय 170 मिलियन डॉलर बताई गई थी। दोनों खिलाड़ियों की आय में इतना अंतर देखना सभी के लिए चौकाने वाला था और गिलक्रिस्ट का इस सूची के शीर्ष पर होना भी सभी को हैरान कर रहा था। इस लिस्ट

में महेंद्र सिंह धोनी तीसरे और विराट कोहली चौथे स्थान पर थे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर पांचवें स्थान पर थे। लिस्ट में बाकी सभी नाम, उनका क्रम और आय तो पहले की तरह ही था, लेकिन गिलक्रिस्ट का ना और उनकी आय सभी को हैरान कर रही थी।

इस मामले पर खुद गिलक्रिस्ट ने सफाई दी है और बताया कि गलती से उन्हें दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेटर बता दिया गया। एडम गिलक्रिस्ट ने ट्वीट कर बताया कि इस सूची में एडम गिलक्रिस्ट को सबसे ऊपर दिखाया गया है। वह एडम गिलक्रिस्ट F45 फिटनेस सेंटर फ्रेंचाइजी के मालिक हैं। वह भी पहले क्रिकेट खेलते थे। इसी वजह से बिजनेसमैन गिलक्रिस्ट का नाम सूची में शामिल किया गया और गलती से इसे पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर समझा गया।

## कौन हैं बिजनेसमैन गिलक्रिस्ट

बिजनेसमैन एडम गिलक्रिस्ट स्व45 नामक फिटनेस सेंटर की एक सीरीज के मालिक हैं और 2022 में उन्होंने 500 मिलियन डॉलर से अधिक की कमाई की थई। इस वजह से वह चर्चा में रहे हैं। उनकी कंपनी को पिछले साल न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया गया था और इसके परिणामस्वरूप उसकी संपत्ति में भारी वृद्धि हुई थी। क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने इस मामले में सच्चाई बताते हुए लिखा यहां लोगों की गलत पहचान का मामला है। बेशक मेरे हमनाम जिसने स्व45 की स्थापना की और क्रिकेट भी खेला

इस मामले में यह पूरी तरह से सटीक है। गिलक्रिस्ट के ट्वीट में एक हैशटैग "#yasafesachin" शामिल था, क्योंकि तेंदुलकर दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेटरों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। गिलक्रिस्ट का पोस्ट तेजी से वायरल हुआ और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैंस ने इस विषय पर स्पष्टीकरण के लिए उनकी सराहना की।

सुरेश रैना ने संन्यास के सवाल पर कहा कि वह वापसी के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अपने जवाब में पाकिस्तान ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का मजाक बना दिया। भारतीय के पूर्व टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना एलएलसी मास्टर्स का हिस्सा क्रिकेटर हैं। वह इंडिया महाराजा के लिए खेल रहे हैं और अच्छी लय में हैं। ऐसे में जब रैना से संन्यास से वापसी को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह शाहिद अफरीदी नहीं हैं। रैना का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इंडिया महाराजा के एक मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक रिपोर्टर ने रैना से पूछा - लीजेंड्स लीग क्रिकेट में आज रात आपके प्रदर्शन के बाद हर कोई आपको आईपीएल में वापस चाहता है। इस पर रैना ने कहा, मैं सुरेश रैना हूं। मैं शाहिद अफरीदी नहीं हूं। रिटायरमेंट ले चुका हूं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार शाहिद अफरीदी के क्रिकेट संन्यास की सभी रूपों से घोषणा करने के बाद कई मौकों पर वापस आ चुके हैं। इसी वजह से का जिक्र सुरेश रैना ने उनके नाम टाउन क्रिकेट किया। दोहा के एशियन मास्टर्स के स्टेडियम में एलएलसी महाराजा ने चौथे मैच में इंडिया 159 कप्तान गौतम गंभीर और लायंस जीत दर्ज रॉबिन उथप्पा की नाबाद चौकों और रन की शानदार सलामी 88 रनों की पारी साझेदारी के जरिए एशिया में 12 चौकों की मदद से पर 10 विकेट से शानदार भारत को जीत दिलाई। भारत महाराजा ने 45 की। उथप्पा ने 39 गेंदों में 11 गेंद शेष रहते मैच जीत लिया। इंडिया महाराजा ने एशिया लायंस को 20 ओवर में 5 विकेट पर 157 रन पर रोका था। एशिया पांच छक्कों की मदद से नाबाद लायंस के लिए उपुल थरंगा ने 48 गेंदों में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 69 रन बनाए, जबकि तिलकरत्ने दिलशान खेली, जबकि गंभीर ने 36 गेंदों ने 27 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाए। दोनों ने मिलकर 8.4 ओवर में 73 रन की ओपनिंग 61 रनों की नाबाद पारी खेलकर पार्टनरशिप की। हालांकि, उनकी यह पारी टीम के काम नहीं आई।

## मुश्किल पिच पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया, राहुल-जडेजा ने मिलकर दिलाई जीत

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। भारतीय टीम टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम करने के बाद वनडे सीरीज भी जीतने उतरी है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 189 रन का लक्ष्य रखा था। भारत ने यह लक्ष्य 39.5 ओवर में हासिल कर लिया। भारत ने मुंबई के वानखेड़े में खेले गए पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 35.4 ओवर में 188 रन पर सिमट गई थी। कंगारुओं के लिए मिचेल मार्श ने सबसे ज्यादा 81 रन की पारी खेली थी। जवाब में भारत ने 39.5 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। केएल राहुल ने लय में वापसी की और बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 91 गेंदों में 75 रन की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा रवींद्र जडेजा भी 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 108 रन की नाबाद साझेदारी हुई। इस जीत के साथ भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। अब अगला वनडे रविवार को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। वानखेड़े स्टेडियम में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 16 साल बाद हराया है।केएल राहुल ने 74 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा। यह उनके वनडे करियर का 13वां अर्धशतक रहा। फिलहाल राहुल 75 गेंदों में 54 रन और रवींद्र जडेजा 32 रन बनाकर क्रीज पर हैं। 35 ओवर के बाद भारत का स्कोर पांच विकेट पर 150 रन है। टीम इंडिया को अब भी 39 रन की जरूरत है। क्रीज पर हैं। भारत को अब 67 रन की जरूरत है।27 ओवर के बाद भारत ने पांच विकेट गंवाकर 108 रन बना लिए हैं। फिलहाल रवींद्र जडेजा 16 रन और केएल राहुल 34 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच अब तक 25 रन की साझेदारी हो चुकी है।

## सुपरमैन बनकर राहुल ने लपका हैरतअंगेज कैच, तो कप्तान हार्दिक को भी नहीं हुआ अपनी आंखों पर यकीन

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे पहले वनडे मैच में टीम इंडिया के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने आई ऑस्ट्रेलियाई टीम को 13वें ओवर में दूसरा बड़ा झटका लगा है।इस ओवर की तीसरी गेंद पर हार्दिक पांड्या ने कप्तान स्टीव स्मिथ को आउट किया।

केएल राहुल का इस विकेट में अहम योगदान रहा। राहुल ने विकेट के पीछे कीपिंग करते हुए हवा में छलांग लगाकर उनका लाजवाब कैच लपका, जिसका वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ का शानदार कैच लपका और टीम को दूसरी सफलता दिलाई। कंगारू टीम की पारी के 13वें ओवर में हार्दिक पांड्या की तीसरी गेंद पर स्टीव स्मिथ ने कट शॉट लगाने का प्रयास किया था, लेकिन गेंद उनके बल्ले के किनारे से लगते हुए बाउंड्री की तरफ जाने लगी, लेकिन इस बीच केएल राहुल ने कमाल की कीपिंग स्किल्स दिखाते हुए हवा में छलांग लगाकर स्टीव का कैच लपक लिया।केएल राहुल की रफ्तार को देख हार्दिक पांड्या को भी अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ और उनका रिएक्शन भी तेजी से वायरल हो गया। इस दौरान कप्तान स्टीव ने पहले वनडे में 30 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौके की मदद से 22 रन बनाए।

## अगस्त में टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड का दौरा करेगी भारतीय टीम, खेलेगी तीन मैच

आयरलैंड अगस्त में तीन टी20ङ्क मैचों के लिए भारत की मेजबानी करेगा। साथ ही 50 ओवर के विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए मई में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सुपर लीग के अंतर्गत एक वनडे सीरीज भी खेलेगा।वनडे सीरीज में बांग्लादेश के खिलाफ यदि आयरलैंड 3-0 से जीत जाता है तो यह उनके लिए सुपर लीग में आठवां स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त हो सकता है। इसके बाद आयरलैंड की टीम जिम्बाब्वे में क्वालीफायर खेले बिना अक्तूबर में भारत में होने वाले विश्वकप के लिए क्वालीफाई कर सकती है। 9 मई से शुरू होगी वनडे सीरीज- क्रिकेट आयरलैंड ने कहा है कि उस वक्त डबलिन या बेलफास्ट की तुलना में चेम्सफॉर्ड में बेहतर मौसम की संभावना है।

आयरलैंड बांग्लादेश के खिलाफ 9 मई, 12 और 14 मई को तीन वनडे मैच खेलेगा। क्रिकेट आयरलैंड के मुख्य कार्यकारी वॉरेन ड्यूट्रोम ने कहा, हमें क्वालीफाई करने के लिए तीन मैच खेलने और जीतने की जरूरत है। इसी कारण से हम यह वनडे सीरीज खेलेंगे, जो वनडे सुपर लीग का हिस्सा है। कुल मिलाकर हमारे पास वनडे विश्वकप में सीधे क्वालीफाई करने का अच्छा मौका रहेगा। अधिकारियों ने जताई खुशी- एसेक्स के मुख्य कार्यकारी जॉन स्टीफेंसन ने कहा, हम पुरुषों की वनडे मैचों की इस सीरीज के लिए आयरलैंड और बांग्लादेश की मेजबानी करने के लिए अविश्वसनीय रूप से उत्साहित हैं।ङ्क क्लाउड काउंटी ग्राउंड का अंतरराष्ट्रीय पक्षों के मंचन का एक लंबा इतिहास रहा है और हमें दोनों पक्षों के लिए एक महत्वपूर्ण सीरीज में मेजबान स्थल के रूप में चुने जाने पर गर्व है। हम चेम्सफोर्ड में समर्थकों का स्वागत करने और हमारे स्थानीय लोगों के साथ शामिल होने के लिए एक यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।

# Actress Dalljiet Kaur designed Piya's name Mehendi, showed her life story on her palm

**Television actress Dalljiet Kaur is soon going to tie the knot for the second time. All the preparations for their marriage have started, a glimpse of which has been shown to the fans through social media. Recently pictures of Diljit's bachelor party came to the fore, in which**

**the actress was happy to see. Now the pictures of her mehndi function have also come to the fore. Actress getting married for the second time at the age of 40- Daljit Kaur is a famous actress of television industry. He has made a household name by working in many shows like 'Kulvadhu' and 'Is Pyaar Ko Kya Naam Doon'. Apart from being an actress, Dalljiet is also the ex-wife of Bigg Boss 16 contestant Shaleen Bhanot. She is going to make a new beginning in her life, for which her fans and friends have congratulated her a lot. Please tell that Daljit Kaur is getting married for the second time at the age of 40. She will tie the knot with businessman Nikhil Patel on March 18. Daljit Kaur's mehndi is special - After many pictures, now a picture of Daljit's mehndi has come to the fore, which is very special in itself. Actually, he has told his entire life story in mehndi design. The actress has told the story of herself in one hand and the groom in the other hand i.e. Nikhil Patel through design. He told that Nikhil's story starts and ends on traveling. Dalljiet told for herself that she is very lucky, who got loved again in her life. Nikhil's second marriage too- Tell that this is not only Dalljiet's but also Nikhil's second marriage. He is a UK based business man and also a father of two daughters. He currently works in Nairobi, Kenya. Whereas, Dalljiet is also the mother of a son. After marriage, Dalljiet will shift abroad.**

# Malaika Arora got angry on fan's action, got angry after watching the video of netizens, got trolled badly

**Bollywood's most stylish diva Malaika Arora's reason to be in the limelight is new everyday. Fans like every style of Malaika, who remains in discussions sometimes about her style and sometimes about her relationship with Arjun. But sometimes the actress gets overwhelmed by her style and attitude. Due to this, actress trolls also happen a lot. Something similar happened recently when a fan of the actress asked her for a selfie and she got scared. The video of this incident is becoming increasingly viral on social media. It seems Malaika Arora, who is in headlines these days, is not liking the crowd of fans. We are saying this because something happened recently at the airport, seeing which the temperature of social media users has gone high. Actually, Malaika was recently spotted at Mumbai airport. During this, a huge crowd had reached to see and meet the actress. But there Malaika got angry with the fan's action and the netizens's temper has gone high due to the actress's style. In the viral video, Malaika is mobbed for selfies as soon as she steps out of the airport. Malaika was scared of the fans doing this. Meanwhile, a person came too close to take a selfie with her, which a lot surprised Malaika even more. Reacting in such a situation, the actress strictly forbade the fan to take a photo while showing anger. Fans are trolling Malaika by commenting on this video. While commenting, people are putting a class on him for this behavior. Many people called Malaika till Jaya Bachchan Part 2. Netizens are not liking this act of Malaika at all. One user wrote 'So much pride'. While the other wrote, 'Which big superstar is this, for whom so many people are dying.' Along with this, Malaika fans also got angry on those people that how can they get so close. Talk about Malaika's work front, she was last seen in the reality show 'Moving in with Malaika'. In this show, the actress told about many things related to her life. From her relationship with her ex-husband Arbaaz Khan to her relationship with Arjun Kapoor, Malaika was seen talking openly about it all.**

# Discrimination with Guneet Monga on the stage of Oscar, prevented from giving speech after receiving the award

**Guneet Monga's documentary The Elephant Whisper won the Best Documentary Short Film award. Where another Kartiki Gonsalves was allowed to speak. Whereas, Guneet Monga's speech was cut off. Oscar 2023 has been very special for India. This time two awards**

**fell in India's lap. One of which went to the song Natu-Natu from RRR, while the second award went to the documentary film The Elephant Whispers directed by Guneet Monga. Guneet Monga being honored by the Oscar Award on stage. Both are being discussed a lot these days. At the same time, a video is also coming out these days, in which it is seen that Guneet Monga was not allowed to give a speech on the stage, while other people were allowed to speak. There is a lot of discussion about this on social media as well. truncated Guneet Monga's speech-Oscar Award took place on 12 March 2023 at the Dolby Theater in Los Angeles, USA. Guneet Monga's documentary The Elephant Whisper won the Best Documentary Short Film award. Where another Kartiki Gonsalves was allowed to speak. Whereas, Guneet Monga's speech was cut off. Guneet Monga herself has given a reaction about this. Didn't get a chance to speak - Guneet Monga said, I was very disappointed as my speech was cut off, it was a shock for me. I just wanted to say that this is India's first Oscar in an Indian production, which is a big thing in itself. I was very happy, wanted to speak, but was not allowed to speak. But the western media is dragging the fact that I didn't get a chance to speak. I will come back - Guneet Monga further said, people are hurt by this. Videos and tweets have also been posted on social media that I did not get a chance to speak. This was a special moment for India, which was taken away from me. But then, I thought no matter what, I will come back here and make sure that I am heard. I have got many opportunities to share my thoughts and I am very happy to receive everyone's love.**

# The story of veteran scientists embroiled in political maelstrom, the effect descended as soon as Indira came into focus

**The second season of the web series 'Rocket Boys' takes forward the story of space and nuclear research in the country from the previous season. There are two scientists. Homi Jehangir Bhabha believes that if India has to move forward as a powerful country, then it should pursue its atomic bomb program with full force. On the other side is Vikram Sarabhai who wants to change the fate of the common man of the country by sending satellites in space. Both have their own problems in their family life. There are conspiracies of America, pressure and espionage as well and India, surrounded by Pakistan on one side and China on the other side, starts seeing its helper in Russia. The story also stars CV Raman and APJ Abdul Kalam. The highlight of the season is the 1974 Pokhran test. The undercurrent of the story is Indian politics, in which the layers of Morarji Desai's inability to become the Prime Minister after the death of the first Prime Minister Jawaharlal Nehru have also been exposed. Politics of Scientific Achievements - A pure scientific achievements in the first season of the web series airing on Sony Liv. Coming in the second season of Kehte Kahani, she is seen taking a dip in the sugar syrup of politics. The writers of the series have tried to present those things of the country's politics in front of the audience under the guise of the problems faced by the scientists, about which leave the present generation, probably even the previous generations do not know much. The scene of Homi Jehangir Bhabha, who called the Prime Minister of the country as his brother, taking Indira Gandhi aside at the condolence meeting after her death and discussing future politics in her office, reveals the real purpose of this series. The story goes back and forth till Pokhran's Operation Happy Krishna turns into Smiling Buddha. Starting with a duration of eight hours, the series slowly moves forward for eight episodes and by the third episode, its heat starts to evaporate. The second season is weak in writing - the story in the second season of the web series 'Rocket Boys' There are many weaknesses in the As soon as the aim of the series moves away from scientific research to familyism in Indian politics, the purpose of making the series seems to be something else. Director Abhay Pannu did an amazing job in the first season of the series. He created a series which was compared to the serial 'Bharat Ek Khoj' aired on Doordarshan. Whenever Rajit Kapoor appeared on the screen as Nehru, a direct rapport of the audience was seen connecting with him. But, after the defeat from China and the demise of Nehru, the story of the series takes a new turn. longer focuses only on ISRO's efforts to make the country a nuclear power or establish its presence in space.**